सोमवार
22 जुलाई 2024

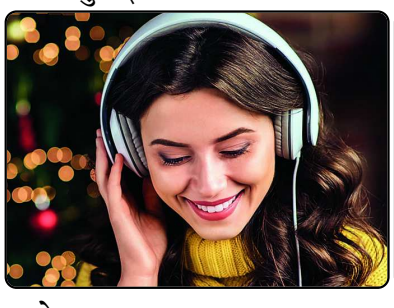

पृष्ठ 4
रोजाना कितने घंटे इस्तेमाल करना...

पृष्ठ 5
रेड आउटफिट में सोफी चौधरी ने...

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 167
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

फूल चुन कर एकत्र करने के लिए मत ठहरो। आगे बढ़े चलो, तुम्हारे पथ में फूल निरंतर खिलते रहेंगे।

– रवींद्रनाथ ठाकुर

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

नेम प्लेट के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

●तीन राज्यों की सरकारों को नोटिस, 26 तक जवाब मांगा

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली/देहरादून। सर्वोच्च न्यायालय की खंडपीठ ने आज उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड तथा मध्य प्रदेश सरकारों द्वारा कावड़ यात्रा मार्गों पर दुकानदारों को अपनी पहचान उजागर करने तथा बैनर व बोर्ड पर संचालक (स्वामी) का नाम लिखने का जो आदेश दिया गया था उस पर 26 जुलाई तक अंतरिम रोक लगा दी गई है तथा तीनों राज्यों की सरकारों को नोटिस जारी कर 26 तक जवाब देने को कहा गया है अब इस मामले की सुनवाई 26 जुलाई को होगी।

न्यायमूर्ति ऋषिकेश राय और एनवीएन भाटी की पीठ ने आज एक एनजीओ तथा टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा व एक अन्य याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया गया है। जिसमें इस पर 26 जुलाई तक अंतरिम रोक लगाते हुए

❑नाम लिखने के लिए नहीं कर सकते हैं बाध्य
❑खाने का प्रकार लिखने को सही ठहराया
❑विपक्ष कर रहा था नेम प्लेट के फैसले का विरोध

कहा गया है कि तब तक किसी दुकानदार को इस तरह के बैनर या बोर्ड लगाने के लिए बाध्य नहीं किया जाए। इसके साथ ही पीठ ने साफ किया है कि खाने का प्रकार लिखा जाना जैसे शुद्ध शाकाहारी या मांसाहारी व जैन फूड आदि तो ठीक है लेकिन दुकानदार का नाम लिखा जाना उचित नहीं है।

उल्लेखनीय है कि आज याचिकाकर्ताओ की तरफ से अदालत में तीन अधिवक्ता तो मौजूद रहे लेकिन राज्यों की सरकारों की तरफ से कोई अधिवक्ता कोर्ट नहीं पहुंचा। महुआ मोइत्रा के अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कोर्ट में अपनी दलील पेश करते हुए कहा कि इस निर्णय से एक वर्ग विशेष के लाखों लोगों का रोजगार प्रभावित हो रहा है वहीं यह निर्णय छुआछूत की भावना को बढ़ाने वाला है तथा नागरिकों के सामानता के अधिकारों का उल्लंघन है। उन्होंने राज्य सरकारों के इस फैसले को एक तरफा बताते हुए संविधान के अनुच्छेद 19 तथा 23 का उल्लंघन बताया। पीठ ने जब कहा कि सरकारों की तरफ से इसे स्वैच्छिक बताया गया है तो सिब्बल ने कहा कि इसे अनिवार्य रूप से लागू किया जा रहा है।

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

यातायात की प्रयोगशाला बना दूनः अधिकारियों के आदेश कर रहे हैं कोढ में खाज का काम

संवाददाता

देहरादून। दून में जाम के झाम को झेल रही जनता के लिए अधिकारी आये दिन प्रयोग करते दिखायी देते है और उनके यह प्रयोग जनता के लिए कोढ में खाज का काम कर रहा है।

उत्तराखण्ड राज्य बनने के बाद दून को अस्थायी राजधानी का दर्जा मिलना यहां की जनता के लिए परेशानी का सबब बन गया था। बाहरी प्रदेशों से यहां पर काफी संख्या में लोग आकर बस गये और सभी विभागों के मुख्यालय दून में बनने से पूरे प्रदेश से यहां पर लोगों की आवाजाही शुरू हो गयी। जिसके बाद से जैसे यहां के निवासियों के लिए जाम एक रोजमर्रा की समस्या बन गया। सडके वहीं चौराहे भी वही, न तो सडकों का चौडीकरण किया गया और न ही चौराहों में कोई बडा बदलाव किया गया और वाहनों का भार बढता चला गया जिसका नतीजा शहर के हर चौराहे में जाम लगना शुरू हो

हुई है। ऊपर से जो गया। मुसीबत की बात तो तब हो गयी जब जाम से बचने के लिए वाहन चालक गलियों का सहारा लेने लगे तो गलियों में रहने वालों के लिए भी यह एक समस्या बन गयी। गली में खेलने वाले बच्चे इन वाहनों की चपेट में आकर घायल होने लगे जिससे बच्चों के खेलने पर ही परिजनों ने प्रतिबंध लगा दिया। लेकिन यह समस्या जस की तस बनी

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

'अब सरकारी अधिकारी आरएसएस के कार्यक्रमों में ले सकते हैं हिस्सा'

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने आरएसएस की गतिविधियों में सरकारी अधिकारियों की भागीदारी पर लगे प्रतिबंध को हटा दिया है। यह प्रतिबंध 58 साल से लागू था। साल 1966 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने यह प्रतिबंध लगाया था जिसे अब मोदी सरकार ने खत्म कर दिया है। केंद्र सरकार के इस फैसले की जानकारी भाजपा के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने दी। उन्होंने आदेश का एक स्क्रीनशॉट साझा किया और कहा कि 58 साल पहले जारी एक असंवैधानिक निर्देश को मोदी सरकार ने वापस ले लिया है। एक्स पर अमित मालवीय ने लिखा, समीक्षा करने के बाद यह निर्णय लिया गया है कि 30 नवंबर 1966, 25 जुलाई 1970 और 28 अक्टूबर 1980 को जारी हुए सरकारी आदेशों से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का नाम हटा दिया जाए। साल 1966 में यानी 58 साल पहले जारी असंवैधानिक आदेश जिसमें है की गतिविधियों में भाग लेने वाले सरकारी कर्मचारियों पर प्रतिबंध लगाया गया था. इसे मोदी सरकार द्वारा वापस ले लिया गया है. इस आदेश को पहले ही पारित नहीं किया जाना चाहिए था। हालांकि कांग्रेस पार्टी इस फैसले से खुश नहीं है और पार्टी के महासचिव जयराम नरेश ने एक्स पर एक लंबी पोस्ट लिखकर सरकार के इस फैसले पर निशाना साधा।

संसद में वित्त मंत्री ने पेश किया इकोनॉमिक सर्वे रिपोर्ट

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज को संसद में आर्थिक सर्वेक्षण 2023-24 पेश कर दिया है, इसके साथ एक सांख्यिकीय परिशिष्ट भी है। यह केंद्रीय बजट पेश होने से एक दिन पहले हुआ। कल यानी 23 जुलाई को केंद्रीय बजट पेश होना है। वित्त वर्ष 2025 में रियल जीडीपी 6.5 से 7 फीसदी रहने का अनुमान है। संसद का बजट सत्र आज से शुरू हो रहा है और सरकार की कार्य आवश्यकताओं के आधार पर इसके 12 अगस्त तक चलने की उम्मीद है। सत्र में 22 दिनों में 16 बैठकें होंगी। केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण, जयंत चौधरी, पंकज चौधरी, कीर्तिवर्धन सिंह और सुकांत मजूमदार आज लोकसभा में दस्तावेज पेश किया।

इकनॉमिक सर्वे के अनुसार वित्त वर्ष 2023-24 में भारतीय अर्थव्यवस्था की अच्छी ग्रोथ रही। सर्वे के अनुसार भले ही कुछ कैटेगरी में महंगाई बढ़ी है, लेकिन अगर सभी कैटेगरी को एक साथ देखा जाए तो सरकार ने महंगाई काबू में होने का दावा किया है। आर्थिक सर्वे के अनुसार सकल स्थायी पूंजी निर्माण अर्थव्यवस्था की ग्रोथ में अहम ड्राइवर बनकर उभर रहा है। इकोनॉमिक सर्वे 2024 के मुताबिक, इस फाइनेंशियल ईयर में ग्रोथ 6.5 से 7 फीसदी रहने के आसार हैं। साथ ही इसमें ये भी कहा गया है कि देश में महंगाई काबू में है और जियो-पॉलिटिकल चुनौतियों के बावजूद इकोनॉमी की स्थिति अच्छी है। आर्थिक सर्वे की रिपोर्ट अब 2 बजे राज्यसभा में पेश की जाएगी।

इससे पहले संसद में पहुंच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कल हम जो बजट पेश करेंगे, वो हमारी अमृतकाल की यात्रा में एक अहम मील का पत्थर है। यह हमारे राष्ट्र की नियति को आकार देने में अहम भूमिका निभाएगा और हमें 2047 तक विकसित भारत के हमारे दृष्टिकोण को हासिल करने की दिशा में प्रेरित करेगा।

दून वैली मेल

संपादकीय

सामाजिक सुचिता ज्यादा जरूरी

जिस जाति और धर्म आधारित राजनीतिक मुद्दे की अनुगूंज लोकसभा चुनाव में सबसे अधिक सुनाई दी इस मुद्दे पर हमने संसद के पहले सत्र में भी शोर शराबे को सुना। भले ही राजनीतिक समीक्षक यह मान रहे हो कि इसका बड़ा नुकसान भाजपा को चुनाव में हुआ है तथा उसकी छवि भी धूमिल हुई है लेकिन इसके बावजूद भी भाजपा का और अधिक दृढ़ता के साथ इस मुद्दे को आगे ले जाने का प्रयास किया जा रहा है। उससे ऐसा लगता है कि भाजपा के पास अब चुनावी नतीजों से पार्टी के अंदर उपजे विद्रोह और असंतोष को थामने का कोई और जरिया ही नहीं बचा है या भाजपा के नेता जानबूझकर ऐसा माहौल तैयार करने में लगे हुए हैं जो केंद्र की मोदी सरकार के गिरने का कारण बन सके। समूचा विपक्ष योगी और धामी सरकार के उस फैसले के खिलाफ खड़ा है जिसमें कावड़ यात्रा मार्गो पर दुकानदारों को अपनी पहचान उजागर करने के लिए बैनर लगाये जाने का अनिवार्य आदेश दिया गया है। इस फैसले के विरोध में जदयू के नेताओं और चंद्रबाबू नायडू के पार्टी नेता तो कर ही रहे हैं इसके अलावा सरकार को समर्थन देने वाले चिराग पासवान और जयंत चौधरी भी इसका तीखा विरोध कर रहे हैं। भले ही इन दलों की सरकार में भागीदारी सही लेकिन भाजपा की इस नीति से उनके विचार मेल नहीं खाते हैं। जिससे उनके सामने अस्तित्व का संकट पैदा हो गया है। भाजपा के इस फैसले के साथ खड़ा होने से उनका और उनकी पार्टी का राजनीतिक भविष्य खतरे में पढ़ना तय है। यही कारण है कि जयंत चौधरी ने तो यहां तक कह दिया है कि हो सके तो उनके कुर्ते पर उनका नाम लिखवा दो। भले ही भाजपा के नेता और उनके समर्थक अपने फैसले को सही ठहराने के लिए कुछ भी दलीलें पेश कर रहे हो लेकिन इसके पीछे जो उनकी असल मंशा है वह किसी से छुपी नहीं है। ऐसा लगता है कि भाजपा ने भी अब इस मुद्दे पर आर-पार का मन बना लिया है। उसे इसका कितना राजनीतिक नफा या नुकसान होगा यह तो आने वाला समय ही बताएगा लेकिन उसके तमाम सांसद व विधायक भी इससे इत्तेफाक नहीं रखते हैं कुछ खुलकर अपनी बात कह भी रहे हैं तो कुछ खामोश है। लेकिन इसमें कोई दो राय नहीं है कि इस विवाद से देश के सांप्रदायिक सौहार्द और आपसी भाईचारे की भावना पर चोट पहुंच रही है। कल केंद्रीय सर्वदलीय बैठक में ही इस मुद्दे को उठाया गया और अब इसे लेकर बजट सत्र का भी हंगामी रहने तय है। इसे लेकर अब दायर जनहित याचिकाओं पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हो रही है। लेकिन इस सबके बीच एक बात साफ है कि इस विवाद को खड़ा किए जाने से बचा भी जा सकता था। इस आस्था की यात्रा को अपवित्र करने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही का रास्ता भी सरकार अपना सकती थी जिससे पूर्व की भांति इस साल भी इस यात्रा का संचालन संभव था लेकिन सत्ता में बैठे लोगों द्वारा विवाद का रास्ता ही चुना जाना ठीक नहीं कहा जा सकता है।

श्री केदारनाथ धाम में प्रदेश की सुख, शांति, समृद्धि एवं ऐश्वर्य के लिए की गई विशेष पूजा-अर्चना

संवाददाता

रुद्रप्रयाग। श्रावण मास के प्रथम सोमवार को श्री केदारनाथ धाम में प्रदेश की सुख, शांति, समृद्धि एवं ऐश्वर्य के लिए विशेष पूजा-अर्चना की गई।

श्री केदारनाथ धाम के मुख्य पुजारी शिव शंकर लिंग ने समस्त देशवासियों को श्रावण मास की अनंत शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि पवित्र श्रावण मास भगवान शिव की आराधना का महापर्व है। द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से केदारेश्वर ज्योतिर्लिंग इस दिव्य हिमालय के उतुंग शिखर पर विराजमान है जहां सतयुग से ही अब तक निरंतर भगवान शंकर की पूजा-अर्चना की जाती है। उन्होंने बताया कि श्रावण मास में केदारनाथ में भगवान शिव का नित्य महाभिषेक तथा अर्चन किया जाता है, जिसे दिव्य श्रावण मास के पवित्र पर्व के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी, बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष श्री अजेंद्र अजय, मुख्य कार्यकारी अधिकारी योगेंद्र सिंह तथा तीर्थ पुरोहित समाज के सहयोग से इस दिव्य धाम में नित्य पूजा-अर्चना की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष श्रावण माह के महापर्व में प्रतिदिन भगवान शिव को नित्य फलों का अर्चन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि श्रावण मास में एक माह तक नित्य भगवान शिव की विशेष रूप से पूजा की जाएगी। यह पूजा पूरे विश्व की शांति एवं कल्याण के लिए की जा रही है। उन्होंने भगवान केदारनाथ से समस्त देशवासियों तथा शिव भक्तों के कल्याण की कामना की है।

महाराष्ट्र के नासिक से केदारनाथ धाम पहुंचे सविदानंद मंडलेश्वर ने बताया कि केदारनाथ धाम में पूर्ण श्रावन मास का अनुष्ठान किया जा रहा है जो बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति, तीर्थ पुरोहित समाज तथा जिला प्रशासन के सहयोग से संपन्न किया जाएगा। उन्होंने बताया कि उनके द्वारा एक माह तक अनुष्ठान किया जाएगा जिसमें प्रतिदिन 30 हजार वस्तुओं को ईश्वर को समर्पित किया जाएगा। इनमें हर रोज 3100 फलों का अर्पण किया जाएगा जिन्हें चढ़ावे के बाद दर्शन करने पहुंच रहे श्रद्धालुओं को प्रसाद के रूप में वितरित किया जाएगा। उन्होंने इस अनुष्ठान को विशेष बताते हुए कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य पूरे विश्व की शांति, सद्भाव एवं कल्याण करना है। इसके साथ ही उन्होंने भारत को विश्व गुरू बनाने की कामना की है तथा स्थानीय तीर्थ पुरोहितों, मंदिर समिति एवं प्रशासन का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा भारत को विश्व गुरू बनाने का अथक प्रयास किया जा रहा है। वहीं प्रदेश के मुख्यमंत्री भी राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है।

इस अवसर पर केदारसभा के अध्यक्ष राजकुमार तिवारी ने बताया कि श्रावण मास के पहले सोमवार को ब्रह्मकमल से भगवान शिव की आराधना की गई। उन्होंने श्रावण मास की शुभकामनाएं देते हुए सभी के कल्याण की मंगलकाना की है।

अपर नगर आयुक्त की कार से रुपये से भरा बैग चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने अपर नगर आयुक्त नगर निगम की कार से हजारों रूपये से भरा बैग चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अपर नगर आयुक्त नगर निगम बीर सिंह बुदियाल ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि आज सायं समय लगभग साढे पांच से 7 बजे के मध्य विभागीय वाहन इनोवा सफेद रंग का कमल ज्वैलार्स ऐस्ले हाल के निकट रोड पर खडी थी जब वापस घर पहुँचा तो वाहन में बैग नही था वाहन को पूर्ण चैक किया गया नही मिला तब पुनः धारा चौकी प्रभारी से सम्पर्क कर पुलिस टीम द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण किया गया तथा कमल ज्वैलर्स के शो रूम के सीसीटीवी कैमरा को चैक कराया गया तो किसी व्यक्ति द्वारा गाड़ी के दरवाजे को खोलकर काला रंग का बैग लेते दिखाई दिया, बैग में मेरा पासबुक, चौकबुक, 30, 40 हजार रूपये नगद, सैमसंग माबाईल, पांच-छः पैन ड्राइव, पत्रावली, डायरी पैन आदि सामान था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

दूसरे के नाम पर जमीन बेचने पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। दूसरे के नाम पर जमीन बेचने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सन्दीप श्रीवास्तव नामित अधिकारी-स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन विभाग, उत्तराखण्ड / सहायक महानिरीक्षक निबंधन ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि विशेष जांच दल कार्यालय स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन मुख्यालय देहरादून के एसआईटी 02 जनवरी, 2024 के क्रम मैसर्स एकाया एस्टेट प्रा.लि. द्वारा अपने अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता व प्रतिनिधि रामानुज पुत्र तीरथ सिंह निवासी नेहरू कॉलोनी देहरादून, द्वारा 05 मार्च, 2012 को धीरेन्द्रा सिंह बिष्ट पुत्र आलम सिंह बिष्ट निवासी सैनिक फार्म नई दिल्ली के हक में मौजा ईस्ट होप टाउन, तहसील विकासनगर देहरादून की भूमि विक्रय की है। इस मामले की छानबीन करते समय रामानुज द्वारा अन्य किन से रजिस्ट्री निष्पादित की गयी है, उनके सम्बन्ध में छानबीन की गयी, तब यह प्रकट हुआ कि पंजीकृत विक्रय पत्र जिसमें विक्रेता का नाम सोमन एसोसिएट द्वारा प्रतिनिधि रामानुज निवासी नेहरू कॉलोनी अधोईवाला देहरादून तथा क्रेता का नाम बाजी चौहान पुत्र गोरा राम, निवासी मंगलूवाला, आमवाला देहरादून है, विक्रय पत्र लिखा गया है। इसके अतिरिक्त पंजीकृत विक्रय पत्र जिसमें विक्रेता का नाम सोमन एसोसिएट द्वारा प्रतिनिधि रामानुज तथा क्रेता का नाम श्रीमती चेतना पत्नी कैलाश चन्द्र, निवासी ग्राम सिरमोली, जिला अल्मोडा हाल निवासी विजय कॉलोनी न्यू कैन्ट रोड़ देहरादून है। एक अन्य विक्रय पत्र जो 19 अगस्त 2011 को पंजीकृत है, जिसमें विक्रेता का नाम सोमन एसोसिएट द्वारा प्रतिनिधि रामानुज तथा क्रेता का नाम सलीम अहमद पुत्र सईद अहमद निवासी नई बस्ती चन्द्र रोड़ देहरादून है। इसके अतिरिक्त एक अन्य विक्रय पत्र जो 09 सितम्बर, 2011 को पंजीकृत है, जिसमें विक्रेता का नाम सोमन एसोसिएट द्वारा प्रतिनिधि रामानुज तथा क्रेता का नाम जगदीश सिंह पुत्र आलम सिंह रावत, निवासी ग्राम गुडियाल खिल, तल्ला फरसाड़ी जिला पौडी गढ़वाल है। इनका विक्रय पत्रों का पंजीकरण उप निबन्धक कार्यालय विकासनगर देहरादून के कार्यालय में पंजीकृत कराया गया है। मैसर्स एकाया एस्टेट प्रा.लि. द्वारा 05 मार्च 2012 को पंजीकृत कराया गया विक्रय पत्र जिसमें धीरेन्द्रा सिंह बिष्ट पुत्र आलम सिंह बिष्ट को भूमि विक्रय की गयी है, के मामले में छानबीन के समय यह प्रकट हुआ है कि रामानुज कोई व्यक्ति नहीं है। नेहरू कॉलोनी में रामानुज नाम का कोई व्यक्ति निवास नहीं करता है और न पहले भी करता था। छानबीन में यह भी सामने आया है कि रामानुज के रूप में जिस व्यक्ति द्वारा उप निबन्धक कार्यालय में उपस्थित होकर के यह विक्रय पत्र लिखा है, वो व्यक्ति विपुल टंडन है। निबन्धन के समय जो फोटो लिया जाता है व अंगूठे का निशान लिया जाता है, उससे विपुल टंडन ही रामानुज के रूप में विक्रय पत्र लिख रहा है, की पुष्टि होती है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

क्लीन एण्ड ग्रीन समिति ने चलाया वृहद स्तर पर वृक्षारोपण अभियान

देहरादून (कासं)। क्लीन एण्ड ग्रीन समिति द्वारा पछवादून सहसपुर के चार अलग अलग राजकीय प्राथमिक विद्यालयों में वृहद स्तर पर वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। इस अवसर पर पिलखन, आंवला, बरगद, पीपल, रात की रानी, अर्जुन, अमलताश, चमेली, कनेर इत्यादि के 100 से अधिक वृक्ष लगाए गए और साथ ही स्कूल प्रबंधन को लगाए गए वृक्षों की देखभाल किए जाने हेतु निर्देशित किया गया। समिति द्वारा इस वर्ष 2024 के मानसून सत्र में 1500 से अधिक वृक्ष पूरे देहरादून में लगाने का रखा गया है। देहरादून में इस वर्ष तापमान 44 डिग्री तक पहुंच चुका है जिसकी भरपाई केवल वृक्ष लगाकर और पर्यावरण को बचाकर ही जा सकती है अन्यथा आने वाले समय में देहरादून का तापमान 48 डिग्री तक पहुंचेगा। वृक्षों को लगाने की मुहिम में हमारी समिति क्लीन एंड ग्रीन एनवायरनमेंट द्वारा भरपूर सहयोग दिया जा रहा है ताकि अधिक से अधिक वृक्ष देहरादून में लगाए जा सके और उनकी सुरक्षा भी की जा सके।

समिति द्वारा किए गए दूसरे वृक्षारोपण अभियान में पछवादून सहसपुर के चार प्राथमिक विद्यालयों को शामिल किया गया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में स्थानीय बच्चों के साथ साथ विद्यालयों की भोजन माताओं का सहयोग मिला और इन बच्चों और माताओं को वृक्ष वितरित भी किए गए। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष राम कपूर, अमरनाथ कुमार, अमित चौधरी, राजेश बाली, जे पी किमोठी, रणदीप अहलूवालिया, दिवाकर नैथानी, प्रवीण शर्मा, मनीष खत्री, विश्वास दत्त, मंजुला रावत, शकुंतला देवी, पूजा शर्मा, हर्षवर्धन जमलोकी, संध्या जमलोकी, गगन चावला, प्रकृति जमलोकी, ज्योति चौधरी, नितिन कुमार, भूमिका दुबे, अनुराग शर्मा, नमित चौधरी तथा छोटे बच्चो में हृदय, रेयाँश, अदिति, अमुल्या, वंश, पार्थ, आरव शर्मा तथा प्राथमिक विद्यालयों की भोजन माताएं तथा स्थानीय निवासी उपस्थित रहे।

परिवार नियोजन के क्षेत्र में काफी सफलता मिली है

जगत प्रकाश

हर वर्ष विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर हम परिवार नियोजन के क्षेत्र में भारत की अविश्वसनीय यात्रा पर गौर करते हैं, अपनी सफलताओं का उत्सव मनाते हैं, आशाओं से भरे भविष्य की कामना करते हैं तथा आगामी चुनौतियों से निपटने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं। जैसा कि मई 2024 में जनसंख्या विकास पर संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आइसीपीडी) में संकल्प व्यक्त किया गया है, भारत ने न केवल आइसीपीडी के एजेंडे को मजबूत नेतृत्व प्रदान किया है, बल्कि बेहतर परिवार नियोजन सेवाओं और स्वास्थ्य संबंधी नतीजों, विशेषकर मातृ और बाल स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुधार के जरिये जमीनी स्तर पर जबरदस्त प्रगति का प्रदर्शन किया है।

भारत में मिलेनियल महिलाएं छोटे परिवारों को चुन रही हैं। ऐसे परिवार में औसतन केवल दो बच्चे होते हैं। यह प्रवृत्ति पिछले दशक में एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाती है, जिसके दौरान प्रजनन आयु (15 से 49 वर्ष) की 57 प्रतिशत महिलाओं ने आधुनिक गर्भनिरोधकों का उपयोग किया है। यह व्यापक उपयोग भारत के परिवार नियोजन कार्यक्रम की सफलता को दर्शाता है।

परिवार नियोजन का आशय गर्भनिरोधकों से कहीं आगे है। यह महिलाओं, परिवारों और समुदायों के स्वास्थ्य एवं कल्याण का अभिन्न अंग है। यह महिलाओं, लड़कियों एवं युवाओं को अधिकार और विकल्प प्रदान कर उन्हें सशक्त बनाता है। भारत 10-24 वर्ष की आयु के 36।9 करोड़ युवाओं के साथ एक परिवर्तनकारी जनसांख्यिकीय बदलाव के दौर से गुजर रहा है और विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए तैयार है।

पिछले कुछ दशकों में इस कार्यक्रम में काफी विकास हुआ है और परिवार नियोजन के विभिन्न तरीकों को अपनाया गया है। यह बदलाव आबादी की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए नीतियों को ढालने का प्रतिनिधित्व करता है। राष्ट्रीय जनसंख्या और स्वास्थ्य संबंधी नीतियां परिवार नियोजन की अधूरी रह गयी उस जरूरत को पूरा करने की आवश्यकता पर बल देती हैं, जिसे वैसी महिलाओं के प्रतिशत के रूप में परिभाषित किया जाता है, जो बच्चे नहीं चाहतीं या देर से बच्चे जन्म देना चाहती हैं, पर गर्भनिरोधक का कोई तरीका नहीं अपनाती हैं।

इस कार्यक्रम ने 2012 में प्रजनन, मातृ, नवजात, बाल और किशोर स्वास्थ्य दृष्टिकोण के संस्थागतकरण के साथ एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की, साथ ही परिवार नियोजन 2020 और अब परिवार नियोजन 2030 के माध्यम से परिवार नियोजन पर वैश्विक स्तर पर जोर दिया गया। इसने निरंतर जागरूकता बढ़ाने, सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ावा देने, सूचना और सेवाओं की सुलभता में सुधार करने, गर्भनिरोधक विकल्पों की सीमा का विस्तार करने, अंतिम छोर तक दी जाने वाली सेवाओं की गुणवत्ता संबंधी आश्वासन सुनिश्चित करने और उच्च प्रजनन क्षमता वाले क्षेत्रों में नयी रणनीतियों को लागू करने पर ध्यान केंद्रित किया है।

भारत पहले ही राष्ट्रीय स्तर पर प्रजनन क्षमता के प्रतिस्थापन स्तर (टीएफआर 2।0) को प्राप्त कर चुका है और एनएफएचएस-5 (2019-21) के अनुसार 31 राज्य/केंद्र शासित प्रदेश पहले ही यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। परिवार नियोजन को मातृ एवं शिशु रुग्णता और मृत्यु दर को कम करने के लिए भी वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त है और इस कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण घटक मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में सुधार पर ध्यान केंद्रित करना है।

भारतीय राज्यों की जनसांख्यिकीय विविधता के अनुरूप परिवार नियोजन की रणनीतियों को ढाला गया है। सुलभ गर्भनिरोधक विकल्पों की सीमा को व्यापक बनाने के साथ-साथ यह रणनीति विवाह की आयु, पहले जन्म की आयु और लड़कियों की शैक्षिक प्राप्ति जैसे सामाजिक मुद्दों पर भी विचार करती है।

भारत सरकार के प्रमुख परिवार नियोजन कार्यक्रमों में से एक- मिशन परिवार विकास- को 2016 में सात राज्यों (बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और असम) के उच्च प्रजनन दर वाले 146 जिलों में गर्भनिरोधक और परिवार नियोजन सेवाओं तक पहुंच बढ़ाने के लिए शुरू किया गया था। यह व्यापक अभियानों के माध्यम से परिवार नियोजन सेवाओं के लिए एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण पर आधारित था।

इसके तहत सारथी वाहनों (वाहन के जरिये जागरूकता), युवा महिलाओं के लिए गर्भनिरोधकों तक पहुंच की सुविधा में सामाजिक बाधाओं को दूर करने के लिए सास-बहू सम्मेलनों का आयोजन और नवविवाहित जोड़ों को परिवार नियोजन के बारे में जागरूक बनाने के लिए नयी पहल किट प्रदान करने जैसे विभिन्न कार्यक्रम शामिल थे।

साथ ही, एक मजबूत परिवार नियोजन लॉजिस्टिक्स प्रबंधन सूचना प्रणाली का उपयोग कर गुणवत्तापूर्ण सेवाएं और गर्भनिरोधकों की निर्बाध आपूर्ति के लिए स्वास्थ्य प्रणाली को तैयार किया गया था। इन जिलों में बेहतर परिणामों के कारण सरकार ने 2021 में इस कार्यक्रम को सात राज्यों के सभी जिलों और छह पूर्वोत्तर राज्यों में विस्तार करने का निर्णय लिया। वित्त वर्ष 2016-17 में गर्भनिरोधक विकल्पों का भी विस्तार किया गया। वर्तमान में राष्ट्रीय नियोजन कार्यक्रम विभिन्न प्रकार के आधुनिक गर्भनिरोधक प्रदान करता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

75 साल बाद भी नाटो के सामने वही शत्रु

श्रुति व्यास

कीव का ओखमाद्यित अस्पताल काफी समय से यूक्रेन के सबसे जटिल बीमारियों से जूझते और गंभीर रूप से बीमार बच्चों की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता रहा है। युद्ध के शुरू होने से लेकर अब तक उसके डॉक्टरों ने रूसी बमबारी में घायल होने वाले बच्चों की जान बचाने का चुनौतीपूर्ण कार्य किया है और साथ ही पहले से गंभीर बीमारियों से जूझ रहे बच्चों की देखभाल भी की है।

रूसी हमले में यह जीवनरक्षक केंद्र तहस नहस कर दिया गया, जमींदोज कर दिया गया। यह बहुत ही बर्बर हमला था। अस्पताल को तब निशाना बनाया गया जब वहां सबसे ज्यादा भीड़भाड़ थी। गार्जियन' में छपी खबर के अनुसार, हमले के समय एक ऑपरेशन थिएटर में डॉक्टर एक बच्चे का ऑपरेशन कर रहे थे। उस थिएटर का नामोनिशान नहीं बचा है। अस्पताल के अंदर की तस्वीरों में खून से सने बच्चे, गिरी हुई छतें और बरबाद हो चुके ऑपरेशन थिएटर नजर आ रहे हैं। कितने लोग मलबे में दबे हुए हैं, यह अभी साफ नहीं है।

फरवरी 2022 में शुरू हुए आक्रमण के बाद से यह यूक्रेन की राजधानी पर किए गए सबसे भयावह हमलों में से एक था। इस हमले ने दुनिया को हिलाकर रख दिया है। चारों ओर इसकी निंदा की जा रही है और आक्रोश व्यक्त किया जा रहा है। वोल्दोमीर जेलेंस्की ने बदला लेने की कसम खाई है।

नाटो के सामने यह पहली चुनौती है, जिस पर तुरंत ध्यान देकर कार्यवाही करने की आवश्यकता है। रूस के मिसाइल हमले से यह भी साफ हो गया है कि यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणाली कितनी कमजोर है।

नाटो के नेता संगठन की 75वीं वर्षगांठ एवं उसके वार्षिक सम्मेलन के लिए वाशिंगटन में एकत्रित हुए। वे दुबारा वही लड़ाई लडने् का संकल्प करेंगे, जिसे लडने् के लिए 1949 में इस संगठन का गठन किया गया था- यानी यूरोप में तत्कालीन सोवियत संघ के विस्तारवादी इरादों को थामने की कोशिश। आज 75 साल बाद भी नाटो के सामने वही शत्रु है, वही रूस है और उसकी वही दुष्टता है।

हालांकि शत्रु वही है, लेकिन नाटो पहले जैसा नहीं है। 75वीं वर्षगांठ मनाने का उद्देश्य दुनिया, रूस, पुतिन और अन्य संभावित प्रतिद्वंद्वियों को यह अहसास दिलाना था कि यह आत्मविश्वास से भरा, एकताबद्ध गठबंधन है। लेकिन वाशिंगटन में एकत्रित हो रहे नेता अनिश्चितता और दुविधा से घिरे होंगे। %आखिर कब तक' यह सवाल उनके दिलोदिमाग पर छाया होगा। आंशिक रूप से यह बाहरी खतरों की वजह से होगा लेकिन मुख्यत= यह आंतरिक कारणों से होगा। इनमें सबसे प्रमुख कारण होगा पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड जे ट्रंप की वापसी की संभावना।

ट्रंप की नजरों में नाटो जर्जर' हो गया है और वे गठबंधन को छोडने् की धमकी दे चुके हैं। कुछ दिन पहले उन्होंने कहा कि वे रूस को मनमानी करने देंगे। डिबेट के बाद हुई रायशुमारियों में ट्रंप के जो बाइडेन से आगे निकल जाने के बाद से गठबंधन के महत्वपूर्ण यूरोपीय सदस्यों में इस बात पर विचार विमर्श प्रारंभ हो गया है कि गठबंधन के लिए ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के मायने क्या होंगे- और क्या वे अमेरिकी हथियारों, धन एवं गुप्तचर सूचनाओं के बिना रूस का मुकाबला कर पाएंगे।

नाटो इन 75 सालों में बहुत बदल गया है। 1949 के 12 के मुकाबले आज, जब महाशक्तियों का टकराव दुबारा प्रारंभ हो गया है, उसके 32 सदस्य हैं। पिछले साल विल्न्यूस में हुए सम्मेलन में नाटो ने शीत युद्ध के बाद पहली बार गठबंधन के देशों की भूमि की रक्षा की विस्तृत योजना को स्वीकृति दी थी। इस वर्ष गठबंधन के 23 राष्ट्र अपनी अपनी जीडीपी का दो प्रतिशत प्रतिरक्षा पर खर्च करने के लक्ष्य तक पहुंच जाएंगे या उससे भी अधिक व्यय करेंगे। इसकी तुलना में सन् 2014 में केवल तीन देश ऐसा कर रहे थे और उसी कारण यह निर्णय किया गया था।

लेकिन पश्चिमी देशों में लोकलुभावन राष्ट्रवाद के जोर पकडने् के बाद से नाटो पर खतरा मंडराने लगा है। वह पहले से ही तुर्किये के रेचेप तैय्यप अर्दोआन और हंगरी के विक्टर ओरबान जैसे नेताओं से जूझ रहा है, जो फिनलैंड और स्वीडन के गठबंधन में शामिल होने की राह में रोड़े अटका रहे हैं। ऐसे में ट्रंप के दुबारा सत्ता में आने की संभावनाएं बहुत चिंताजनक हैं। हालांकि जो बाइडेन ने जार्ज स्टेपोनोपोलिस को एबीसी के लिए दिए गए एक इंटरव्यू में कहा कि वे नाटो द्वारा सवाल उठाए जाने का स्वागत करेंगे और फिर जोड़ा मेरी तरह नाटो को एक भला और कौन रख पाएगा।

सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए पहुंचने वाले नेताओं ने स्वीकार किया कि नाटो एक ऐसी कसौटी पर कसा जा रहा है जिसका पूर्वानुमान उन्होंने नहीं लगाया था= क्या ऐसे समय में वे यूक्रेन की सहायता उसी पैमाने पर करना जारी रख पाएंगे, जब गठबंधन के सबसे महत्वपूर्ण सदस्य पर उनका विश्वास निम्तम स्तर पर है? नाटो ने अगर अपने को नहीं सुधारा, तो 75वीं वर्षगांठ का जश्न उसका आखिरी जश्न भी हो सकता है।

फ्रिज को जल्दी खराब कर सकती हैं ये गलतियां, इनसे बचें

फ्रिज एक ऐसा महत्वपूर्ण उपकरण है जो फल, सब्जियों, दूध और बचे हए खाने से लेकर कई चीजों को सही तापमान पर स्टोर करने के काम आता है। इसलिए कई लोग अपने फ्रिज की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देते हैं, लेकिन इसके बावजूद कुछ सालों बाद ही उनके फ्रिज में खराबी आनी शुरू हो जाती हैं। इसका मुख्य कारण उनकी कुछ गलतियां हो सकती हैं। आइए कुछ ऐसी ही गलतियों के बारे में जानते हैं।

फ्रिज को जरूरत से ज्यादा भरना

अगर आप काफी ज्यादा चीजों को फ्रिज में स्टोर कर देते हैं तो आपकी यह गलती फ्रिज को जल्दी खराब कर सकती है। दरअसल, जब आप फ्रिज को उसकी कैपेसिटी से ज्यादा भरते हैं, तब इन चीजों को ठंडा करने के लिए कूलिंग बढ़ाने की जरूरत पड़ती है और इससे फ्रिज की कार्यक्षमता पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है जो इसे खराब कर सकता है। इसलिए बेहतर होगा कि आप अपने फ्रिज में उसकी कैपेसिटी के अनुसार ही चीजें रखें।

कई लोग फ्रिज से सामान निकालने के लिए उसको काफी देर तक खोले रखते हैं, लेकिन उनकी इस गलती के कारण फ्रिज ज्यादा बिजली खाता है और इसके जल्द खराब होने की संभावना भी बढ़ जाती है। इसलिए इस गलती से बचें। इसके अलावा फ्रिज का दरवाजा ठीक है या नहीं, ये जांचने के लिए उसकी फ्लैशलाइट चेक करें। अगर फ्लैशलाइट दरवाजा बंद करते वक्त बंद होती है और खोलते वक्त जल जाती है तो आपका फ्रिज सही है।

कई लोग फ्रिज में कई ऐसी चीजे रखकर भूल जाते हैं जो जल्दी खराब हो जाती हैं। ऐसे में फ्रिज की ठीक से सफाई न करने की वजह से कई बार इसमें फंगस भी लगने लगती है जो फ्रिज के कई हिस्सों में फैलकर इसे खराब कर सकती है। इसलिए आपके लिए यह बात समझनी बहुत जरूरी है कि जिस तरह से घर की साफ-सफाई जरूरी है, ठीक उसी तरह से रोजाना फ्रिज की सफाई करना भी जरूरी है। अगर आप गर्म खाने को फ्रिज में रख देते हैं तो आपकी यह गलती फ्रिज के खराब होने का सबसे बड़ा कारण बन सकती है। दरअसल, फ्रिज ज्यादा गर्म खाने को ठंडा करने के लिए अपनी कूलिंग कैपेसिटी का अत्यधिक इस्तेमाल करता है। इससे फ्रिज पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है जो इसे खराब कर सकता है।

प्राइम वीडियो पर सबसे ज्यादा देखा जाने वाला शो बना मिर्जापुर 3

मिर्जापुर सीजन 3 पांच जुलाई को अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हुई। वहीं, अली फजल और पंकज त्रिपाठी अभिनीत इस सीरीज ने इतिहास रच दिया है। यह अपने लॉन्च सप्ताहांत में स्ट्रीमिंग सेवा के लिए भारत में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला शो बन गया है। तीसरे सीजन में पंकज त्रिपाठी, अली फजल, श्वेता त्रिपाठी शर्मा, रसिका दुगल, विजय वर्मा, ईशा तलवार, अंजुम शर्मा, प्रियांशु पेनयुली, हर्षिता शेखर गौड़, राजेश तैलंग, शीबा चड्ढा, मेघना मलिक और मनु जैसे कई कलाकार अपनी भूमिकाओं को दोहरा रहे हैं। सीरीज की लोकप्रियता से साबित होता है कि यह दर्शकों को कितनी पसंद आ रही है। इतना ही नहीं इसके चौथे भाग पर भी मुहर लग गया है। मिर्जापुर सीजन 3 अमेजन प्राइम वीडियो का सबसे ज्यादा देखा जाने वाला शो बन गया है। इंस्टाग्राम पर, स्ट्रीमर के आधिकारिक अकाउंट ने घोषणा की, रिकॉर्ड तोडऩा तो अपना यूएसपी है। मिर्जापुर सीजन 3 आधिकारिक तौर पर लॉन्च सप्ताहांत पर भारत में प्राइम वीडियो पर अब तक का सबसे ज्यादा देखा जाने वाला शो है। प्राइम पर इसे अभी देखें। मिर्जापुर के तीसरे सीजन को लॉन्च सप्ताहांत में 18० से अधिक देशों और भारत के 98 प्रतिशत पिन कोड पर दर्शकों ने देखा। क्राइम ड्रामा ने लॉन्च सप्ताहांत में अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया सहित दुनिया भर के 85 से अधिक देशों में शीर्ष 1० ट्रेंडिंग सूची में जगह बनाई। तीसरे सीजन ने पिछले सीजन का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। मिर्जापुर सीजन 3 का निर्देशन गुरमीत सिंह और आनंद अय्यर ने किया है। इसी बीच मिर्जापुर फ्रेंचाइजी के प्रशंसकों को निर्माताओं ने एक और बड़ा तोहफा दिया है। सीजन 3 की सफलता के बाद अमेजन प्राइम वीडियो ने कहा कि शो का सीजन 4 आधिकारिक तौर पर विकास में है। एक्सेल मीडिया एंड एंटरटेनमेंट के निर्माता रितेश सिधवानी ने एक बयान में कहा, मैं दर्शकों की जबरदस्त प्रतिक्रिया से रोमांचित हूं, जिन्होंने हमें हर सीजन के साथ ताकत बढ़ाने में मदद की है। रितेश सिधवानी ने आगे कहा, यह पहले सीजन से ही उनका निरंतर प्यार और समर्थन है, जिसने हमारे शो को वैश्विक सनसनी बना दिया है। यह ऐतिहासिक सफलता हमारी पूरी टीम की कड़ी मेहनत, समर्पण और प्रतिबद्धता का परिणाम है, जिन्होंने इस सीजन को पर्दे पर जीवंत करने के लिए काफी मेहनत की। जैसे ही हम एक और रोमांचक सीजन की शुरुआत कर रहे हैं, हम अपने वफादार दर्शकों के लिए और भी अधिक रोमांचक और आकर्षक कंटेंट लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

गुड बैड अग्ली का नया पोस्टर जारी, राउडी अंदाज में दिखे अजित

साउथ सुपरस्टार अजित इन दिनों अपनी फिल्म गुड बैड अग्ली को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। फिल्म को लेकर लगातार नई जानकारियां सामने आ रही हैं। अभिनेता पहले ही फिल्म की शूटिंग शुरू कर चुके हैं। हाल ही में फिल्म से अजित का पहला लुक सामने आया था, जिसमें वे माफिया डॉन के किरदार में नजर आए थे। वहीं, अब फिल्म का नया पोस्टर जारी हो चुका है, जिसमें अजित का नया अवतार देखने को मिला। गुड बैड अग्ली से अजित कुमार का दूसरा लुक पोस्टर अब सामने आ गया है। कैदी की पोशाक में अजित पृष्ठभूमि में धधकती बंदूकों के बीच खड़े हैं। फिल्म का पहला लुक मई में जारी किया गया था। 2०23 में थुनिवु के बाद अजित कुमार अगली बार गुड बैड अग्ली में नजर आएंगे। साउथ स्टार अपने प्रचारक सुरेश चंद्रा द्वारा साझा किए गए दूसरे लुक पोस्टर में शानदार दिख रहे हैं। पोस्टर पर गॉड ब्लेस यू मामा लिखा हुआ था। इसे साझा करते हुए उन्होंने लिखा, गुड बैड अग्ली का दूसरा लुक। भगवान आपका भला करे मामा। गुड बैड अग्ली सिनेमाघरों में पोंगल 2०25। गुड बैड अग्ली के नए पोस्टर में अजित जेल के कैदी के रूप में नजर आ रहे हैं, उनके कपड़ों पर कैदी नंबर 63 का टैग है। वहीं फर्स्ट लुक पोस्टर में अजित कुमार रंगीन शर्ट पहने हुए नजर आ रहे थे। उनके हाथ पर टैटू बना हुआ था और उनके सामने बंदूकें रखी हुई थीं। रिपोर्ट्स के अनुसार, अजित फिल्म में तीन अलग-अलग लुक में होंगे। अजित के तीन किरदार फिल्म के नाम गुड बैड अग्ली को दिखाएंगे। ऐसा कहा जा रहा है कि अजित एक नकारात्मक किरदार भी निभा सकते हैं। वहीं उनके एक किरदार काले बाल वाले युवा का होगा। कुछ हिस्सों में वे पोनीटेल के साथ नजर आएंगे। हालांकि, आधिकारिक जानकारियों का इंतजार बाकी है। वहीं, बात करें गुड बैड अग्ली की तो यह एक को एक एक्शन थ्रिलर फिल्म होगी। फिल्म का निर्देशन अधिक रविचंद्रन करेंगे। फिल्म का संगीत राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता संगीतकार देवी श्री प्रसाद द्वारा तैयार किया जाएगा। फिल्म पोंगल 2०25 के दौरान रिलीज होने वाली है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

रोजाना कितने घंटे इस्तेमाल करना चाहिए हेडफोन या ईयरफोन ? वरना हो जाएगी इतनी खतरनाक दिक्कत

आजकल हम सभी हेडफोन और ईयरफोन का बहुत इस्तेमाल करते हैं। चाहे गाने सुनना हो, फिल्म देखनी हो, या किसी से फोन पर बात करनी हो, हेडफोन और ईयरफोन हमारी जिंदगी का हिस्सा बन गए हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इनका ज्यादा इस्तेमाल आपकी सेहत के लिए खतरनाक हो सकता है? आइए जानते हैं कि रोजाना कितने घंटे हेडफोन या ईयरफोन का इस्तेमाल करना सही है और इससे कौन-कौन सी खतरनाक समस्याएं हो सकती हैं।

रोजाना कितना समय सही है?

विशेषज्ञों का कहना है कि हेडफोन या ईयरफोन का इस्तेमाल रोजाना 1 से 2 घंटे तक ही करना चाहिए। अगर आपको ज्यादा देर तक इनका इस्तेमाल करना पड़े, तो बीच-बीच में ब्रेक जरूर लें। लगातार लंबे समय तक हेडफोन या ईयरफोन का इस्तेमाल करने से कानों पर बुरा असर पड़ सकता है।

ज्यादा इस्तेमाल से होने वाली दिक्कतें

सुनने की क्षमता पर असर- हेडफोन या ईयरफोन का तेज आवाज में लंबे समय तक इस्तेमाल सुनने की क्षमता को कमजोर कर सकता है। इससे बहरापन भी हो सकता है।

कान में दर्द- ज्यादा देर तक ईयरफोन लगाने से कान में दर्द और जलन हो सकती है। इससे कान में संक्रमण का खतरा भी बढ़ जाता है।

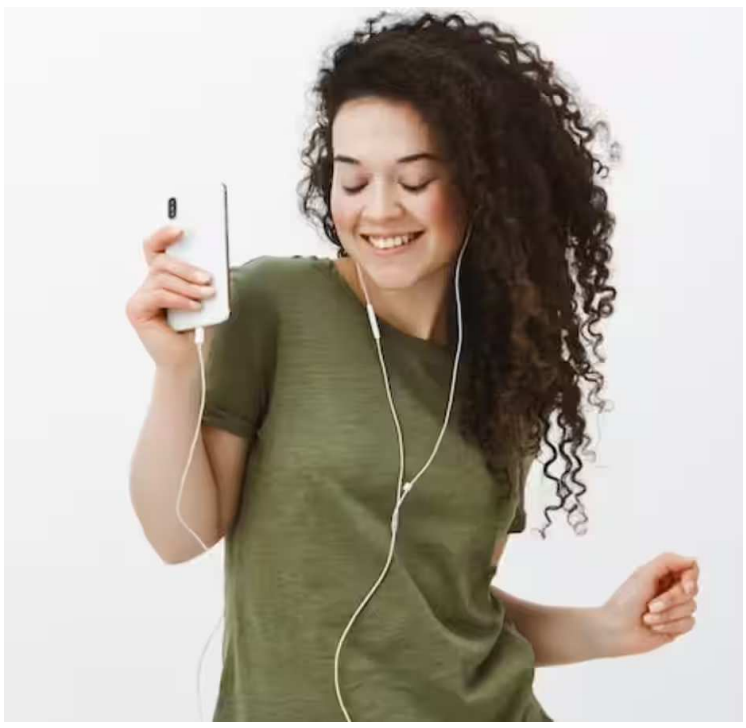

सिरदर्द- तेज आवाज में हेडफोन सुनने से सिरदर्द की समस्या हो सकती है। यह माइग्रेन को भी बढ़ा सकता है।

ध्यान में कमी- लंबे समय तक हेडफोन का इस्तेमाल करने से ध्यान केंद्रित करने में परेशानी हो सकती है। इससे काम या पढ़ाई में मन नहीं लगेगा।

जानें कैसे करें सेफ इस्तेमाल

आवाज कम रखें- हमेशा हेडफोन या ईयरफोन की आवाज को मध्यम रखें। बहुत तेज आवाज सुनने से बचें।

ब्रेक लें- लगातार इस्तेमाल से बचें और बीच-बीच में कानों को आराम दें।

साफ-सफाई- हेडफोन और ईयरफोन को नियमित रूप से साफ करें ताकि संक्रमण से बचा जा सके।

अच्छी क्वालिटी का इस्तेमाल करें- हमेशा अच्छी क्वालिटी के हेडफोन और ईयरफोन का इस्तेमाल करें। सस्ते और घटिया क्वालिटी के प्रोडक्ट्स से दूर रहें।

इन बातों को रखें ध्यान

बच्चों को सिखाएं- बच्चों को भी हेडफोन या ईयरफोन का सही और सीमित इस्तेमाल सिखाएं।

कान में दर्द होने पर- अगर कान में दर्द या सुनने में कोई दिक्कत हो, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -149

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. चौड़ी और सपाट जमीन, रणभूमि 3. स्वरग्राम, संगीत के सात स्वरों का समूह 6. धूल का कण, किसी वस्तु का सूक्ष्मकण, धूल 7. हिम्मत, सामर्थ्य 8. अभ्यर्थना, रिसेप्शन, यथा अवसर पर पूछे जाने वाला मंगल कुशल 9. आपस का करार, निबटारा 10. वरदान, दुल्हा 12. भोग, ऐश्वर्य 13. कीमत, मूल्य 14. एक वाद्ययंत्र जिसे सपेरे बजाते हैं 16. समता, बराबरी 18. अश्लील, बेहुदा, अभद्र, घटिया 19. युक्ति, उपाय, ढंग 20. रिक्त, अपूर्ण।

ऊपर से नीचे

1. दोस्ती, मित्रता 2. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 4. बचाव, हिफाजत 5. मीठापन, मधुर होने का भाव 7. समुद्र 8. आत्मनिर्भर, जो दूसरे पर आश्रित न हो 9. रसवाला, रसदार 11. मां का बच्चों के प्रति प्रेम 13. खैरात, देने की क्रिया 15. दृष्टि, निगाह 16. वरिष्ठ, बुजुर्ग, चतुर 17. पराजय, हार।

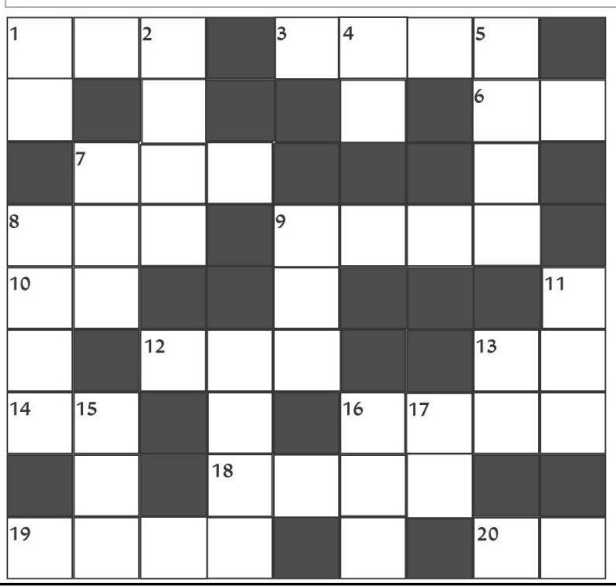

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 148 का हल

ला	लू	प्र	सा	द	या	द	व	
प		ति			र	क्ष	क	
र	ह	मा	न					आ
वा			मि	थु	न		दा	स
ह	वा	ला	त		सी	ता		पा
	न				ब	क	वा	स
औ	र	त		म		त		
ला		बे	च	ना		व	च	न
द	ह	ला		ना	ग	र		दी

धनुष की फिल्म रायन का नया पोस्टर जारी

साल 2024 की शुरुआत में कैप्टन मिलर की सफलता के साथ धनुष ने धमाकेदार शुरुआत की। अब वह रायन के साथ दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। फिल्म रिलीज से पहले निर्माताओं ने दर्शकों को एक और बड़ा तोहफा दिया है। धनुष के निर्देशन में बनी आगामी फिल्म के मुख्य किरदारों का दिलचस्प पोस्टर साझा किया गया है, जिसे देखकर प्रशंसकों का उत्साह सातवें आसमान पर पहुंच गया है।

नए पोस्टर में धनुष के साथ कालिदास जयराम, संदीप किशन और दुशारा विजयन भी हैं, जो कैमरे की ओर देखते हुए एक साथ खड़े नजर आ रहे हैं। कथित तौर पर सितारे फिल्म में धनुष के भाई-बहन की भूमिका निभा रहे हैं। नए पोस्टर में उन सभी को एक बाल्टी पकड़े हुए दिखाया गया है, जबकि धनुष केंद्र में खड़े हैं। जानकारी हो कि रायन 26 जुलाई, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। मुख्य कलाकारों के अलावा आगामी गैंगस्टर ड्रामा में प्रकाश राज, एसजे सूर्या, वरलक्ष्मी सरथकुमार और अपर्णा बालमुरली भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

अब तक रायन के लिए बॉक्स ऑफिस पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए कोई अन्य बड़ी रिलीज नहीं है, जिसका अर्थ है कि धनुष स्टारर को 26 जुलाई, 2024 को एकल रिलीज मिल सकती है। हालांकि, अल्लू सिरीश की बडी भी उसी दिन बड़े स्क्रीन पर आ रही है इससे रयान के व्यवसाय पर असर पडने़ की बहुत कम संभावना है।

इसके अलावा एक और बड़ी रिलीज थंगालान है, जिसकी रिलीज डेट अभी तय नहीं हुई है। 28 जुलाई को धनुष का जन्मदिन है। इसलिए भी फिल्म की रिलीज का प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। रायन धनुष द्वारा लिखित और निर्देशित है और यह अभिनेता की दूसरी निर्देशित फिल्म है। (आरएनएस)

हुमा कुरैशी की नई फिल्म बयान का हुआ ऐलान

हुमा कुरैशी को आखिरी बार वेब सीरीज महारानी 3 में देखा गया था, जिसमें उनकी अदाकारी की खूब प्रशंसा हो रही है। इस सीरीज को आप ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव पर देख सकते हैं।अब हुमा ने अपनी नई फिल्म का ऐलान कर दिया है, जिसका नाम बयान रखा गया है। हुमा के अलावा चंद्रचूड़ सिंह और सचिन खेडेकर भी इस फिल्म में मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।बयान के निर्देशन की कमान विकास मिश्रा ने संभाली है।

शिलादित्य बोरा, मधु शर्मा, कुणाल कुमार और अंशुमान सिंह इस फिल्म के निर्मात हैं, वहीं फिल्म की कहानी विकास ने लिखी है। फिल्म की शूटिंग शुरू हो गई हैहुमा ने बयान की घोषणा करते हुए लिखा, एक ऐसी फिल्म जिसे लेकर मैं बहुत उत्साहित हूं। फिल्म की शूटिंग शुरू। एक शानदार स्क्रिप्ट, एक प्रतिभाशाली क्रू और अपने काम के प्रति उनका पूर्ण समर्पण।

यह फिल्म राजस्थान की पृष्ठभूमि पर आधारित है। यह बाप-बेटी की कहानी है। जिसमें रूही नामक महिला जासूस को राजस्थान के एक छोटे से शहर में लीड इन्वेस्टिगेटर के तौर पर अपने करियर के पहले केस की जांच करने के लिए भेजा जाता है। उसे दिक्कतों का सामना करना पड़ता है क्योंकि सिस्टम पर उसके प्रतिद्वंद्वी प्रभावी हैं।

फिल्म में चंद्रचूड़ सिंह, सचिन खेडेकर, अविजित दत्त, शम्पा मंडल, प्रीति शुक्ला, विभोर मयंक और अदिति कंचन सिंह लीड रोल में हैं।

फिल्म का निर्देशन बिकास मिश्रा ने किया है।

फिल्म के बारे में हुमा ने जानकारी दी। उन्होंने कहा, डायरेक्टर बिकास और प्रोड्यूसर शिलादित्य के पैशन ने मुझे प्रभावित किया। ऐसे डेडिकेटेड प्रोफेशनल्स के साथ काम करना, जो फिल्म मेकिंग के बारे में अच्छी समझ रखते हैं से जुडऩा वाकई एक्साइटिंग है। यह कॉम्बिनेशन बेहद अलग है। उनकी एनर्जी काबिल ए तारीफ है। मैं बयान को लेकर एक्साइटेड हूं।

फिल्म इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल रॉटरडैम के ह्यूबर्ट बाल्स फंड द्वारा समर्थित है और इसे लॉस एंजिल्स रेजीडेंसी में डेवलप किया गया था, जो फिल्म इंडिपेंडेंट के ग्लोबल मीडिया मेकर्स (जीएमएम) प्रोग्राम का हिस्सा है। हुमा के पास विपुल मेहता की फिल्म गुलाबी भी है। (आरएनएस)

रेड आउटफिट में सोफी चौधरी ने ढाया कहर

बॉलीवुड एक्ट्रेस और सिंगर सोफी चौधरी आए दिन अपनी बोल्ड और हॉट फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर कर अक्सर फैंस के बीच लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर पोस्ट होते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में सोफी चौधरी ने अपने लेटेस्ट गाउन लुक में फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका हॉटनेस भरा अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से उनके हुस्न के कायल हो गए हैं।

एक्ट्रेस सोफी चौधरी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उनका हर एक लुक इंस्टाग्राम पर पोस्ट होते ही वायरल होने लगता है।

अब हाल ही में सोफी चौधरी ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की बोल्ड तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका हॉटनेस भरा अंदाज देखकर लोग दीवाने हो गए हैं।

बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके लुक पर दिलखोलकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं। हालांकि इन तस्वीरों में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक यूजर ने फोटोज पर कॉमेंट करते हुए टू मच हॉट लिखा है। वहीं दूसरे यूजर ने बोल्ड एंड ब्यूटिफुल लिखा है।

सोफी चौधरी ने अपनी लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान रेड कलर का गाउन पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढक़र एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई

नजर आ रही हैं।

कानों में इयररिंग्स, ओपन हेयर को वेवी लुक में स्टाइल कर के और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस सोफी चौधरी ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। बता दें कि एक्ट्रेस सोफी चौधरी जब भी अपना लुक फैंस के बीच शेयर करती हैं तो वो अक्सर इंटरनेट पर ट्रेंड करता है। हालांकि कई लोग उनका स्टाइल फॉलो भी करते हैं।

आलिया भट्ट ने शुरु की वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स फिल्म अल्फा की शूटिंग

बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने अपनी अपकमिंग फिल्म अल्फा की शूटिंग शुरू कर दी हैं। एक्ट्रेस की यह फिल्म यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स के अंतर्गत बन रही है। आलिया भट्ट की सेट पर जाते समय की एक तस्वीर सामने आई है। इसमें आलिया कैजुअल लुक में नजर आ रही हैं। बताया जा रहा है कि यह एक्ट्रेस के फिल्म के लुक की तस्वीर नहीं है। क्योंकि तस्वीर उस समय की है जब एक्ट्रेस सेट पर पहुंच रही थीं। इस बात की जानकारी प्रोडक्शन से जुड़े सूत्रों ने भी दी है। सेट से कोई तस्वीर लीक न हो इसके लिए मेकर्स ने भारी तैयारी कर रखी है।

अल्फा फिल्म बॉलीवुड में एक खास स्थान हासिल करने जा रही है। बता दें कि यह पहली फीमेल लीड वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स फिल्म साबित होगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक एक्ट्रेस यशराज फिल्स स्पाई यूनिवर्स की इस मूवी में सुपर-एजेंट के रोल में नजर आने वाली हैं। उन्होंने इसके लिए शूटिंग शुरू कर दी है।

वायरल तस्वीर में आप आलिया भट्ट को नीले और सफेद रंग की ड्रेस में देख सकते हैं। सुरक्षा कारणों के चलते एक्ट्रेस की यह तस्वीर दूर से ली गई है। बता दें कि अल्फा नाम की इस चर्चित अपकमिंग फिल्म का डायरेक्शन भोपाल गैस त्रासदी की घटनाओं से संबंधित सीरीज द रेलवे मेन बनाने वाले शिव रवैल कर रहे हैं।

बता दें कि यशराज फिल्म्स के मालिकाना हक वाले वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की अपकमिंग फिल्म में वॉर 2 भी शामिल है। इससे पहले आई फिल्म वॉर ब्लॉकबस्टर रही थी। इस फिल्म में ऋतिक रोशन के साथ टाइगर श्रॉफ नजर आए थे। वहीं अब वॉर 2 में ऋतिक रोशन के साथ साउथ इंडियन एक्टर जूनियर एनटीआर नजर आने वाले हैं।

बता दें कि वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स सिर्फ ब्लॉकबस्टर फिल्में देने के चलते चर्चा में रहा है। अब तक इसके अंतर्गत वॉर के अलावा पठान, एक था टाइगर, टाइगर जिंदा है और टाइगर 3 बन चुकी है। इनमे से तीन फिल्मों में सलमान खान ने और एक-एक फिल्मों में ऋतिक रोशन-शाहरुख़ खान ने काम किया है। इन सभी फिल्मों का बॉक्स ऑफिस पर कलेक्शन रिकॉर्डतोड़ रहा है। इन पांचों ही फिल्मों को ब्लॉकबस्टर का टैग मिला है। जबकि अब वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स आलिया भट्ट के साथ पहली फीमेल लीड अल्फा बनाने जा रहा है।

पार्टियां और नेता अब प्रतिद्वंद्वी नहीं बल्कि शत्रु

अजीत द्विवेदी

भारत की राजनीति इतनी विभाजित कभी नहीं रही, जितनी अभी है। पार्टियां और नेता एक दूसरे को अब राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी नहीं मान रहे हैं, बल्कि शत्रु मान रहे हैं। एक समय था जब कहा जाता था कि सब नेता मिले होते हैं। लोग देखते भी थे कि संसद में या विधानसभाओं में या राजनीतिक कार्यक्रमों में एक दूसरे के खिलाफ आग उगलने वाले नेता निजी कार्यक्रमों में एक दूसरे के गले मिलते थे। राजनीति से इतर उनके आपस में अच्छे संबंध होते थे। पक्ष और विपक्ष के नेता आपस में मिलते जुलते थे, बातें करते थे। लेकिन अब यह परंपरा लगभग समाप्त हो गई है। अगर कहीं पक्ष और विपक्ष के नेताओं के एक दूसरे के प्रति सद्भाव दिखाने की तस्वीरें या खबरें आती हैं तो आश्चर्य ही होता है। ऐसी तस्वीरें आने पर नेता घबरा भी जाते हैं कि कहीं उनके आलाकमान को यह बात बुरी न लग जाए। असल में चुनावी फायदे के लिए वैचारिक और राजनीतिक विभाजन को निजी शत्रुता में बदलने की वजह से ऐसा हुआ।

पिछले कुछ समय से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष के नेताओं को दुश्मन मान कर उनके खिलाफ एक सतत चलने वाले अभियान की शुरुआत की। उन्होंने नेताओं को भ्रष्ट, परिवारवादी और निकम्मा ठहराना शुरू किया। इससे उनकी पार्टी के नेताओं की मजबूरी हो गई कि वे कांग्रेस और दूसरी भाजपा विरोधी पार्टियों के नेताओं से दूरी बनाएं। धीरे धीरे ऐसी स्थिति आ गई, जब भाजपा के नेता बढ़ चढ़ कर विपक्षी नेताओं को गालियां देने लगे ताकि अपनी स्वामीभक्ति साबित की जा सके। तो दूसरी ओर राहुल गांधी और विपक्ष के अन्य नेताओं ने नीतियों और सरकार के कामकाज की बजाय नरेंद्र मोदी को शत्रु मान कर सिर्फ उन्हीं को निशाना बनाने की रणनीति अपना ली।

पार्टियों और नेताओं के बीच शुरू हुआ यह विभाजन अब जमीनी स्तर पर मतदाताओं तक पहुंच गया है। अब नेता अपने खिलाफ मतदान करने वालों को अपना दुश्मन बताने लगे हैं और खुल कर कहने लगे हैं कि वे उन लोगों का काम नहीं करेंगे, जिन्होंने उनको वोट नहीं दिया। इसकी तीन मिसालें हैं, जो हाल की हैं। बिहार की सीतामढ़ी लोकसभा सीट से चुनाव जीते जनता दल यू के देवेश चंद्र ठाकुर ने नतीजों के बाद कहा कि वे मुस्लिम और यादव लोगों के काम नहीं करेंगे क्योंकि उन्होंने उनको वोट नहीं दिया है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम और यादव उनके पास आएंगे तो वे उनको चाय पानी करा देंगे लेकिन काम नहीं करेंगे। इसके बाद झारखंड की गोड्डा सीट से जीते भाजपा के निशिकांत दुबे ने कहा कि जिन मतदान केंद्रों पर भाजपा को 60 फीसदी या उससे ज्यादा वोट मिले हैं वहां सामुदायिक केंद्र बनाए जाएंगे, जिनकी लागत 50 से 60 लाख रुपए होगी। तीसरी मिसाल उत्तर प्रदेश की नतौर विधानसभा सीट से जीते भाजपा के ओम कुमार का है, जिन्होंने कहा है कि वे उन लोगों का काम नहीं करेंगे, जिन्होंने उनको वोट नहीं दिया है। वे नगीना सीट से लोकसभा का चुनाव लड़े थे और हार गए थे।

ये तीन प्रतिनिधि घटनाएं हैं, जिनसे पता चलता है कि राजनीतिक विभाजन किस स्तर तक पहुंच गया है। संसद और विधानसभाओं की राजनीति तो एरिना में ग्लैडियटर्स की लड़ाई में पहले ही बदल गई थी अब जमीनी राजनीति और मतदाता भी पार्टी लाइन पर बांटे जाएंगे। वैसे ही जैसे दुनिया भर में फुटबॉल के प्रशंसक बने हैं। सबकी अपनी पसंदीदा टीम होती है, जिसके जीतने पर वे जश्न मनाते हैं और हारने पर मारपीट करते हैं। क्या इसी तरह से अब देश में लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों में होगा?

जीता हुआ नेता उन लोगों के काम नहीं करेगा, जो उसकी पार्टी के या उसके विरोधी होंगे! इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन यानी ईवीएम ने अब उम्मीदवारों को यह सुविधा उपलब्ध करा दी है कि उन्हें पता होगा कि किस बूथ पर उन्हें कितने वोट मिले हैं। पहले जब बैलेट से चुनाव होता था तो कई बूथों के बैलेट एक साथ मिला दिए जाते थे और तब उनकी गिनती होती थी, जिससे बूथवार डाटा नहीं मिल पाता था। बहरहाल, ईवीएम की इस सुविधा का लाभ उठा कर सांसद और विधायक उन मतदान केंद्रों की पहचान कर सकते हैं, जहां उनको कम वोट मिले हैं या नहीं मिले हैं और फिर उनके साथ विकास के कार्यों में भेदभाव कर सकते हैं।

लेकिन क्या ऐसा करना शपथ का उल्लंघन नहीं होगा? लोकसभा के लिए चुने गए सदस्यों की शपथ का प्रारूप इस प्रकार होता है, 'मैं, अमुक, जो लोक सभा का सदस्य निर्वाचित या नाम निर्देशित हुआ हूं सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान करता हूं या ईश्वर की शपथ लेता हूं कि मैं विधि द्वारा स्थापित भारत के संविधान के प्रति सच्ची श्रद्धा और निष्ठा रखूंगा, मैं भारत की प्रभुता और अखंडता अक्षुण्ण रखूंगा तथा जिस पद को मैं ग्रहण करने वाला हूं उसके कर्त्तव्यों का श्रद्धापूर्वक निर्वहन करूंगा'।

राज्यसभा, विधानसभा और विधान परिषद के लिए चुने गए या मनोनीत किए गए सदस्यों के लिए भी यही प्रारूप होता है। इसमें साफ साफ लिखा गया है कि चुना गया सदस्य देश के संविधान के प्रति सच्ची श्रद्धा और निष्ठा रखेगा। ध्यान रहे भारत का संविधान सभी नागरिकों की समानता की बात करता है और किसी भी आधार पर भेदभाव को निषिद्ध करता है। ऐसे में संविधान को मानने वाला कोई भी व्यक्ति यह कैसे कह सकता है कि वह एक वर्ग के लिए काम करेगा और दूसरे के लिए नहीं करेगा?

यहां एक तकनीकी पहलू है, जिसका इस्तेमाल खुलेआम भेदभाव की बात करने वाले सांसदों और विधायकों के बचाव में किया जा सकता है। वह पहलू यह है कि मंत्रियों के शपथ में एक अतिरिक्त लाइन यह जोड़ी जाती है कि, 'मैं संविधान और विधि के अनुसार सभी प्रकार के लोगों के साथ भय या पक्षपात, अनुराग या द्वेष के बिना अच्छा व्यवहार करूंगा'। यह लाइन सांसदों और विधायकों की शपथ में नहीं होती है। क्या इससे सांसदों और विधायकों को यह छूट मिल जाती है कि वे भेदभाव कर सकें? वे अपने समर्थक मतदाताओं की पहचान करें और उनको ज्यादा महत्व दें? और वोट नहीं देने वाले मतदाताओं के लिए काम नहीं करें? इससे तो हर चुनाव क्षेत्र में पार्टियों के घेटो बन जाएंगे। सामाजिक स्तर पर इससे कितना बड़ा विद्वेष बढ़ेगा, इसका अंदाजा नहीं लगाया जा सकता है। जाति और धर्म के आधार पर गांव गांव में गोलबंदी होगी, आए दिन आपस में झगड़े होंगे और राजनीतिक विभाजन सामाजिक संरचना को बुरी तरह से छिन्न भिन्न कर देगा। इससे पहले कि इक्का दुक्का नेताओं की ओर से दिए जाने वाले बयान सांस्थायिक रूप लें और राजनीतिक विभाजन गांवों, कस्बों तक पहुंच कर सामाजिक ताना बाना तोडने लगे उससे पहले इस महामारी को रोकना होगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

बड़े काम आ सकते हैं एलोवेरा से जुड़े ये बेहतरीन हैक्स

एलोवेरा एक ऐसा पौधा है जो आकार में भले ही छोटा हो, लेकिन इसके फायदे अनेक हैं। शायद इसी वजह से कई लोगों के घर में यह पौधा लगा होता है। बता दें कि एलोवेरा से जुड़े एक नहीं बल्कि कई बेहतरीन हैक्स हैं जिनके बारे में शायद ही लोग जानते होंगे। चलिए फिर आज हम आपको एलोवेरा से जुड़े ऐसे ही कुछ हैक्स बताते हैं जिनके बारे में जानकर आप यकीनन हैरान रह जाएंगे।

बतौर शेविंग क्रीम करें इस्तेमाल

कई लोग शेविंग क्रीम खत्म होने पर साबुन का इस्तेमाल करने लगते हैं, लेकिन इससे त्वचा रूखी लगने लगती है। इस काम के लिए एलोवेरा का इस्तेमाल करना फायदेमंद हो सकता है क्योंकि इससे त्वचा मॉइश्चराइज होती है। इसके अलावा इसकी मदद से ब्लेड से त्वचा के कटने का डर भी नहीं रहता। बस शेविंग करते समय एलोवेरा के जेल को अपनी दाढ़ी वाले हिस्से पर लगाएं और फिर रेजर से बालों को साफ करें।

मेकअप हटाएं

रात को सोने से पहले अगर मेकअप न साफ किया जाए तो इससे त्वचा का स्वास्थ्य प्रभावित होता है। अगर आपके पास मेकअप रिमूवर नहीं है तो आप मेकअप हटाने के लिए एलोवेरा का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए मेकअप वाले चेहरे पर थोड़ा सा एलोवेरा जेल लगाकर थोड़ी मसाज करें। इसके बाद अपने चेहरे को टिश्यू पेपर से पोंछ लें और अंत में अपना चेहरा पानी से धो लें।

अंडरआर्म्स की अतिरिक्त चर्बी से छुटकारा दिलाने में सक्षम हैं ये योगासन, ऐसे करें अभ्यास

अंडरआर्म्स में जमी अतिरिक्त चर्बी आपके शरीर की बनावट को काफी प्रभावित कर सकती है, इसलिए आपको इस पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। इसके लिए आप कुछ योगासनों को अपने रूटीन में शामिल कर सकते हैं। चलिए आपको कुछ ऐसे ही योगासनों के अभ्यास का तरीका बताते हैं जो अंडरआर्म्स की अतिरिक्त चर्बी को कम करके इन्हें मजबूती प्रदान करने में काफी मदद कर सकते हैं। ध्यान रखें कि इन योगासनों का रोजाना अभ्यास करना है। पूर्वोत्तानासन के लिए पहले योगा मैट पर दंडासन की मुद्रा में बैठें और फिर अपने दोनों हाथों को पीठ के पीछे ले जाकर हथेलियों को जमीन पर रखें। इसके बाद सांस लेते रहें और अपने शरीर को थोड़ा पीछे की ओर झुकाते हुए अपनी क्षमतानुसार ऊपर उठाने की कोशिश करें। अब अपने सिर को भी पीछे की ओर झुकाकर अपने तलवों को जमीन से सटाएं। कुछ देर इसी मुद्रा में रहने के बाद धीरे-धीरे सामान्य हो जाएं। बकासन के अभ्यास के लिए पहले योगा मैट पर वज्रासन की मुद्रा में बैठ जाएं और फिर अपने हथेलियों को जमीन पर रखें। अब अपने दोनों पैरों को अंदर की तरफ खींचते हुए घुटनों को कोहनियों के पास ले जाएं और फिर शरीर के भार को हथेलियों पर डालकर अपने दोनों पैरों को ऊपर उठाएं। इस दौरान घुटनों को कोहनी के ऊपर ट्राइसेप्स के साथ सटाएं। कुछ देर इसी मुद्रा में बने रहें और फिर सामान्य स्थिति में आ जाएं। भुजंगासन का अभ्यास करने के लिए सबसे पहले योगा मैट पर अपने हाथों को अपने कंधों के नीचे रखकर पेट के बल लेट जाएं। अब अपने हाथों से दबाव देते हुए अपने शरीर को जहां तक संभव हो सके ऊपर उठाने की कोशिश करें। इस दौरान सामान्य तरीके से सांस लेते रहें। कुछ देर इसी मुद्रा में बने रहें और फिर धीरे-धीरे सामान्य हो जाएं। थोड़े समय बाद फिर से इस योगासन का अभ्यास करें। इस योगासन के अभ्यास के लिए पहले योगा मैट पर पेट के बल लेटें। अब अपनी दोनों हथेलियों को अपने सीने के पास लाकर जमीन पर रखें और दोनों तलवों की उंगलियां को जमीन से सटाएं। इसके बाद अपनी हथेलियों पर वजन डालकर अपने शरीर को ऊपर उठाएं। इस दौरान आपके शरीर का पूरा भार हथेलियों और तलवों की उंगलियों पर होना चाहिए। कुछ देर इसी मुद्रा में रहने के बाद धीरे-धीरे सामान्य हो जाएं।

खाद्य पदार्थों की पैकिंग पर पोषण से संबंधित जानकारी बड़े अक्षरों में दी जानी चाहिए

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने निर्देश दिया है कि खाद्य पदार्थों की पैकिंग पर पोषण से संबंधित जानकारी बड़े अक्षरों में दी जानी चाहिए। इससे ग्राहकों को खरीद के समय उचित निर्णय करने में मदद मिलेगी।

खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता तथा ग्राहकों की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल है। खाने-पीने की चीजों में चीनी, नमक, वसा जैसे तत्वों की अधिकता कई बीमारियों की वजह बन रही है। किसी वस्तु में क्या सामग्री इस्तेमाल की गयी है और उससे कितना पोषण मिल रहा है, ऐसी सूचनाओं को आम तौर पर इतने महीन अक्षरों में छापा जाता है कि लोगों का ध्यान ही नहीं जाता। हमारे देश में डायबिटीज, उच्च रक्तचाप, एलर्जी जैसी स्वास्थ्य समस्याओं में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। लोग चीनी, नमक, वसा आदि के उपभोग को लेकर सचेत भी हो रहे हैं।

अधिक कैलोरी लेना मोटापे और दिल की बीमारियों का कारण बन सकता है। अगर खाद्य पदार्थ के बारे में ठीक से सूचना मुहैया करायी जायेगी, तो लोग संभावित नुकसान से बच सकेंगे। कुछ समय से सरकार ने पोषण और स्वास्थ्य की स्थिति में सुधार के लिए अनेक कदम उठाये हैं। नये खाद्य निर्देशों को उसी कड़ी में देखा जाना चाहिए। हाल में केंद्रीय आयुष मंत्रालय ने आयुर्वेदिक, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथिक दवाएं बनाने वाली कंपनियों को चेतावनी दी थी कि वे भ्रामक विज्ञापन न दें और दवाओं के प्रभाव के संबंध में निराधार दावे न करें। कई दवा उत्पादों पर 'सौ फीसदी सुरक्षित', 'स्थायी उपचार', 'पूर्णत: शाकाहारी उत्पाद' या 'मंत्रालय द्वारा स्वीकृत' जैसी भ्रामक बातें लिखी होती हैं। बहुत से उत्पादों पर तो उनमें प्रयुक्त वस्तुओं का पूरा विवरण भी नहीं दिया जाता। बड़े शहरों में कई ऐसे रेस्तरां हैं, जहां खाद्य विभाग के निर्देशों की अनदेखी के मामले सामने आये हैं। इस बारे में भी कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

अप्रैल में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने ई-कॉमर्स कंपनियों को अपने एप और वेबसाइट से 'हेल्थ ड्रिंक्स' श्रेणी से सभी पेय उत्पादों को हटाने का निर्देश दिया था। उसी माह भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने ई-कॉमर्स कंपनियों को निर्देश दिया था कि वे खाद्य उत्पादों का समुचित श्रेणीकरण सुनिश्चित करें।

खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 में 'स्वास्थ्य पेय' जैसी किसी श्रेणी को परिभाषित नहीं किया गया है। चिकित्सक सलाह देते रहते हैं कि खाद्य पदार्थ खरीदने या खाने से पहले उसमें इस्तेमाल चीजों, कैलोरी आदि के बारे में पड़ताल करनी चाहिए। नये निर्देशों से ऐसा करने में सहूलियत होगी।(आरएनएस)

कार की चपेट में आकर स्कूटर सवार की मौत

संवाददाता

देहरादून। कार की चपेट में आकर स्कूटर सवार की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार देर रात्रि थाना रायपुर को सूचना मिली कि डीआरडीओ के पास रायपुर रोड पर एक कार और स्कूटर सवार का एक्सीडेंट हो गया है। उक्त सूचना पर थाना रायपुर से पुलिस बल मौके पर पहुंचा, मौके पर दुर्घटना में घायल स्कूटर सवार को पुलिस द्वारा तत्काल उपचार हेतु कोरोनेशन अस्पताल भिजवाया गया, जहाँ दौराने उपचार उसकी मृत्यु हो गई।

मृतक की पहचान दयाल सिंह पुत्र प्रेम सिंह रावत, निवासी नथुवावाला, रायपुर के रूप में हुई, मृतक घंटाघर स्थित कुमार स्वीट शॉप में काम करते थे तथा रात में काम के बाद अपने स्कूटर से घर जा रहे थे, तभी डीआरडीओ के पास रायपुर से सहस्त्रधारा क्रॉसिंग की तरफ आ रही कार ने उन्हें टक्कर मार दी। पुलिस द्वारा मौके से कार चालक करन सिंह रावत पुत्र रणवीर निवासी मयूर कॉलोनी लोअर नेहरूग्राम को हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

तीन पेटी शराब सहित एक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। चारधाम यात्रा मार्ग पर शराब तस्करी कर रहे एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके कब्जे से तीन पेटी अंग्रेजी शराब बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना बड़कोट पुलिस द्वारा क्षेत्र में चैकिंग अभियान चलाया हुआ था। इस दौरान पुलिस को चालन के साथ-साथ नशे व मादक द्रव्यों के अवैध व्यापार मे संलिप्त लोगों को यमुनोत्री धाम के अन्तिम पडाव जानकीचट्टी में नेपाली मूल एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रोकना चाहा तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया।

तलाशी के दौरान उसके पास मौजूद बैग से तीन पेटी अंग्रेजी शराब बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपना नाम धीरबहादुर पुत्र रणबहादुर निवासी ग्राम गैला थाना पदमघाट जिला कालीकोट नेपाल हाल निवासी जानकीचट्टी, थाना बड़कोट जिला उत्तरकाशी बताया।

पुलिस ने उसके खिलाफ आबकारी अधिनियम की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

नेम प्लेट के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने... ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

खास बात यह है कि मध्य प्रदेश और उत्तराखंड सरकार का सर्वोच्च न्यायालय के स्थगन आदेश के बाद जो बयान आया है उसमें कहा गया है कि उन्होंने ऐसा कोई आदेश जारी नहीं किया है। जबकि उत्तर प्रदेश सरकार तो इसे कावड़ यात्रा मार्गों पर ही नहीं पूरे प्रदेश में लागू करने का आदेश 10 जुलाई को दे चुकी है। 26 तारीख को इस अंतरिम रोक को अंतिम रोक में बदला जाता है या कुछ और फैसला लिया जाता है यह 26 को ही पता चलेगा फिलहाल सुप्रीम कोर्ट ने इस पर रोक लगा दी है।

यातायात की प्रयोगशाला बना दून... ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

अधिकारी दून में यातायात की कमान सम्भालता है वह यहां पर अपने हिसाब से प्रयोग करना शुरू कर देता है। कोई अधिकारी सडकों पर रस्सियां लगाकर यातायात को दुरूस्त करने का दम भरता है तो कोई यातायात कार्यालय में पार्क बनाकर लोगों को यातायात के नियमों का पाठ पढाता दिखायी देता है तो कोई यातायात कार्यालय में डाकुमेंट्री दिखाकर यातायात में सुधार लाने का प्रयोग करता है। अब इन अधिकारियों को कोई समझाये की पार्क व फिल्म दिखाकर अगर यहां का यातायात सुधरता तो फिर कोई समस्या ही नहीं थी। लेकिन धरातल पर आकर किसी ने भी दून की यातायात को समझने व इसके लिए कोई ठोस रणनीति बनाने का प्रयास नहीं किया। अब एक नया प्रयोग दून में किया जा रहा है। स्कूलों के समय में परिवर्तन करके। स्कूलों के समय में परिवर्तन करके शहर के यातायात को दुरूस्त करने का यह नया प्रयोग है। जोकि दो दिन में सफल होता दिखायी नहीं दे रहा है। स्कूलों के समय में परिवर्तन करके स्कूलों के आसपास के यातायात को तो सम्भाला जा सकता है लेकिन पूरे शहर के यातायात को कैसे सही किया जायेगा इसपर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। केवल कर्जन रोड, ईसी रोड ही यातायात की समस्या से जुझ रहा है तो फिर घंटाघर, चकराता रोड, सहारनपुर चौक पटेलनगर, माजरा, राजपुर रोड में रहने वाले क्या शहर के वासी नही हैं। जाम की समस्या यहां भी है लेकिन अधिकारियों को एक दो स्थानों के अलावा शायद अन्य जगह से कोई मतलब नहीं है। इस लिए अधिकारियों को चाहिए की शहर को प्रयोगशाला न बनाकर कोई ठोस रणनीति बनाये और अगर कोई ठोस रणनीति नहीं है तो जनता को अपने हाल पर छोड दें। अपने प्रयोग से कोढ में खाज का काम न करें जिससे जनता बिलबिला जाये।

नशे के सौदागरों व इनका समर्थन करने वाले नेताओं के खिलाफ हो सख्त कार्रवाई : मोर्चा

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। प्रदेश भर में नशे के सौदागरों का खात्मा एवं इनका समर्थन करने वाले नेताओं/ जनप्रतिनिधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई को लेकर जन संघर्ष मोर्चा प्रतिनिधिमंडल ने मोर्चा अध्यक्ष एवं जीएमवीएन के पूर्व उपाध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी के नेतृत्व में पुलिस महानिदेशक अभिनव कुमार से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा।

पुलिस मुखिया अभिनव कुमार ने सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। नेगी ने कहा कि नशे के खात्मे को लेकर मोर्चा द्वारा जन जागरण अभियान चलाया हुआ है, जिसके तहत आज पुलिस मुखिया को पूरे मामले से अवगत कराया गया,जिसमें नशा कारोबार करते हुए एक बार से अधिक बार पकड़े जाने पर इनके खिलाफ गैंगस्टर इत्यादि की कार्रवाई का सुझाव सरकार को देने का आग्रह किया गया।

नेगी ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों से जिस तेजी से युवा नशे की गिरफ्त में आ रहे हैं तथा नित नए-नए नशे का सेवन कर रहे हैं निश्चित तौर पर परिवार व समाज को खोखला करने के लिए अभिशाप साबित हो रहे हैं।

नेगी ने कहा कि नशे के सौदागरों ने नशा एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुंचाने के लिए छोटे बच्चों को भी थोड़ा बहुत लालच देकर अपने वश में कर लिया है। नशे के सौदागरों एवं उनका समर्थन करने वाले नेताओं/ जनप्रतिनिधियों एवं इनके गुर्गो के खिलाफ भी सबको मिलकर मुहिम चलानी होगी, जिससे ऐसे सौदागर रूपी नेता समाज में न पनप सकें। नेगी कहा कि शुरुआती दौर में छोटे-मोटे सौदागरों ने थोड़ा बहुत पैसा इकट्ठा कर अपना मकान/ कारोबार खड़ा किया तथा उनके ठाट- बाट देख कर अन्य युवाओं ने भी इस नशे को अपना कारोबार बनाया एवं फिर इसका सेवन करने लगे और फिर बर्बाद हो गए। प्रतिनिधिमंडल में मोर्चा महासचिव आकाश पंवार व प्रवीण शर्मा पिन्नी मौजूद थे।

'भारी बारिश के अलर्ट को देखते हुए विशेष सतर्कता बरतें श्रद्धालु'

कार्यालय संवाददाता

रुद्रप्रयाग। मौसम विभाग द्वारा भारी बारिश को लेकर जारी अलर्ट को देखते हुए स्थानीय प्रशासन ने श्री केदारनाथ धाम में आ रहे श्रद्धालुओं से विशेष सतर्कता बरतने के साथ ही अत्यधिक बारिश में यात्रा न करने की अपील की है।

उप जिलाधिकारी ऊखीमठ अनिल कुमार शुक्ला ने श्री केदारनाथ धाम के दर्शनों को पहुंच रहे तीर्थ यात्रियों से स्थानीय प्रशासन व मौसम विभाग से मौसम की जानकारी लेने के बाद ही यात्रा शुरू करने की अपील की है। उन्होंने बताया कि श्रावण मास में हो रही अत्यधिक बारिश के कारण जगह-जगह यात्रा मार्गों में पत्थर गिर रहे हैं जिससे सुरक्षा की दृष्टि से यात्रा करना उचित नहीं है। उन्होंने बताया कि केदारनाथ पैदल मार्ग के चीरबासा, गौरीकुंड व लिनचोली आदि स्थानों में पत्थर गिरने की संभावना बनी रहती है। इसके अलावा रुद्रप्रयाग-गौरीकुंड राष्ट्रीय राजमार्ग के फाटा के डोलिया देवी मंदिर के समीप पत्थर गिरने की संभावना रहती है। ऐसी स्थिति में उन्होंने सभी से सतर्कता के साथ यात्रा करने की अपील की है। साथ ही जिला आपदा प्रबंधन कार्यालय से संपर्क कर ही यात्रा शुरू करने की अपील की है।

उन्होंने सभी से किसी भी दैवीय आपदा, दुर्घटना, मार्ग अवरुद्ध अथवा क्षति होने पर तत्काल जिला आपदा प्रबंधन कंट्रोल रूम के नंबरों (8958757335, 8218326386) पर सूचना उपलब्ध कराने की अपील की है।

दुर्घटनाओं के कारकों में सुधार कर एक सप्ताह में दें रिपोर्ट: रोहिला

संवाददाता

देहरादून। विनय रोहिला उपाध्यक्ष राज्य आपदा प्रबंधन सलाहाकार समिति ने अधिकारियों को अजबपुर ओवर ब्रिज पर लगातार हो रही दुर्घटनाओं को दृष्टिगत रखते हुए दुर्घटना के कारकों में सुधार करते हुए एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए।

आज यहां उपाध्यक्ष राज्य आपदा प्रबंधन सलाहकार समिति विनय रोहिला की अध्यक्षता में मंथन सभागार, वन विभाग, मुख्यालय राजपुर रोड़ देहरादून में आपदा प्रबंधन कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उपाध्यक्ष द्वारा सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उपाध्यक्ष द्वारा एनएच, एनएचएआई, पीएमजीएसवाई, लोनिवि के अधिकारियों को सड़कों के गड्ढों को त्वरित ठीक करने, तथा संवदेनशील सड़को पर चेतावनी वाले साइन बोर्ड लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने सड़कों को ठीक करने तथा सड़कों किनारे नालियों की त्वरित सफाई कार्य करने के निर्देश दिए। नगर निगम एक सप्ताह के भीतर अधिकारियों को क्षेत्र बांटते हुए जलभराव वाले क्षेत्रो में जल निकासी की व्यवस्था ठीक करें। चौक नालों को नाला गैंग के माध्यम से युद्धस्तर पर सफाई करवाएं। उन्होंने शहर अंतर्गत स्मार्ट सिटी लिमिटेड नगर निगम एवं संबंधित रेखा विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करते हुए जलभराव की स्थिति से निपटने के निर्देश दिए। उन्होंने अजबपुर ओवर ब्रिज पर लगातार हो रही दुर्घटनाओं को दृष्टिगत रखते हुए दुर्घटना के कारकों में सुधार करते हुए एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने विद्युत विभाग को जर्जर विद्युत पोल को चिहिकरण करते हुए विद्युत पोल ठीक करें, जिन स्थानों पर पोल पर करेंट आने की शिकायत प्राप्त हो रही है, उसे तत्काल ठीक करें। एक सप्ताह के भीतर सुधार कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। रेखीय विभाग अपने अधीनस्थ अधिकारी एवं कर्मचारियों को मानवीय पहलुओं को दृष्टिगत रखते हुए आपदा जैसे विषयों पर गम्भीरता से कार्य करने हेतु निर्देशित करें। बैठक में विधायक रायपुर उमेश शर्मा काऊ द्वारा प्रतिभाग करते हुए क्षेत्र की समस्याओं को उठाया गया जिस पर उपाध्यक्ष ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सुश्री झरना कमठान ने उपाध्यक्ष का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि उनके द्वारा बैठक में दिए गए निर्देशों का शत प्रतिशत अनुपालन किया जाएगा। उन्होंने समस्त रेखीय विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि माननीय उपाध्यक्ष द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में तीन दिन के भीतर कार्रवाई करते हुए रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। बैठक में विधायक रायपुर उमेश शर्मा काऊ, मुख्य विकास अधिकारी सुश्री झरना कमठान, प्रभाग्य वन अधिकारी देहरादून नीरज कुमार शर्मा, अपर जिलाधिकारी प्रशासन जय भारत सिंह, अपर मुख्य नगर आयुक्त नगर निगम वीर सिंह बुदियाल, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी स्मार्ट सिटी लिमिटेड तीरथ पाल सिंह, नगर में स्टेट देहरादून प्रत्यूष सिंह सहित संबंधित समस्त रेखीय विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

एक नजर

बिहार को नहीं मिलेगा विशेष राज्य का दर्जा

नई दिल्ली । बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिए जाने की मांग को आज केंद्र सरकार से बड़ा झटका लगा है। सरकार ने आज संसद में साफ कर दिया कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा नहीं दिया जा सकता। केंद्र सरकार ने संसद में लिखित में इसका जवाब दिया है। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने विस्तार से बताते हुए कहा कि योजना सहायता के लिए विशेष श्रेणी का दर्जा राष्ट्रीय विकास परिषद (एनडीसी) द्वारा अतीत में कुछ राज्यों को दिया गया था, जिनकी कई विशेषताएं ऐसी थीं, जिनके लिए विशेष विचार की आवश्यकता थी। यह निर्णय ऊपर सूचीबद्ध सभी कारकों और राज्य की विशिष्ट स्थिति के एकीकृत विचार के आधार पर लिया गया था। उन्होंने बताया कि इससे पहले, विशेष श्रेणी के दर्जे के लिए बिहार के अनुरोध पर एक अंतर-मंत्रालयी समूह (आईएमजी) द्वारा विचार किया गया था, जिसने 30 मार्च, 2012 को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की थी। आईएमजी इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि मौजूदा एनडीसी मानदंडों के आधार पर, बिहार के लिए विशेष श्रेणी के दर्जे का मामला नहीं बनता है। उधर, इसको लेकर अब लालू यादव ने नीतीश कुमार के इस्तीफे की मांग की है। उन्होंने मीडिया से कहा कि नीतीश कुमार ने कहा था कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाऊंगा। लेकिन अब उन्हें अपना इस्तीफा देना चाहिए।

कावड़ मेला शुरु, डीएम और एसएसपी ने मां गंगा से आशीर्वाद लिया

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। कांवड़ मेले को सकुशल संपन्न कराने के लिये आज डीएम और एसएसपी ने हर की पैड़ी पर पूजा अर्चना कर मां गंगा का आशीर्वाद लिया।

आज सावन के पहले सोमवार से "कांवड़ मेला 2024" की विधिवत रूप से शुरुआत हो चुकी है। इस मौके पर मां गंगा की पूजा अर्चना करते हुए डीएम व एसएसपी हरिद्वार द्वारा मां गंगा का आशीर्वाद लेते हुए सभी शिव भक्तों को कांवड़ मेला 2024 को हार्दिक बधाई दी गई और निर्विघ्न कावड़ मेला संपन्न हो इसके लिए मां गंगा से प्रार्थना की गयी है। इस मौके पर गंगा सभा अध्यक्ष के साथ महासचिव गंगा सभा व एसपी सिटी व एसडीएम मनीष आदि उपस्थित रहे।

सड़के बंद, स्कूलों की छुट्टी, नदी नाले उफान पर

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के आसमान से हो रही आफत की बारिश ने आमजन जीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। पहाड़ दरक रहे हैं, सड़के बंद है, नदी नाले उफान पर है और सब कुछ अपने साथ बहा ले जाने पर आमादा है। ताबड़तोड़ बारिश के कारण स्कूल-कॉलेज और आंगनबाड़ी केंद्रो को बंद करना पड़ा है। लोगों तक जरूरी सामान की आपूर्ति भी मुश्किल हो रही है। बीते कल मौसम विभाग द्वारा सूबे के 3 जिलों में बारिश का रेड अलर्ट व चार जिलों में आरेंज तथा तीन जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया था। राज्य के लगभग सभी जिलों में हो रही भारी बारिश के कारण हालत अत्यंत ही गंभीर बने हुए है। राज्य के तमाम नेशनल हाईवे सहित 123 सडके मलवा आने या भारी बारिश के कारण बंद पड़ी है। अब तक आसमानी आफत के कारण दो दर्जन से अधिक लोगों की जाने जा चुकी हैं तथा लाखों हेक्टेयर भूमि भूस्खलन के कारण खराब हो चुकी है। गंगोत्री-यमुनोत्री हाईवे सहित बद्रीनाथ राजमार्ग भी कई जगह मलवा वह बोल्डर आने से बाधित हो गया है। वही केदारनाथ हाईवे की स्थिति भी कई जगह अत्यंत ही खतरनाक बनी हुई है यह बात अलग है कि लोग जान हथेली पर रखकर अभी भी धाम तक पहुंच रहे हैं। आज सावन के पहले सोमवार के दिन यहां श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। गंगोत्री व यमुनोत्री हाइवे पर भारी वाहनों की अवाजाही पर रोक लगाई गई है वहीं देहरादून-मसूरी मार्ग पर भारी वाहन पर रोक है। उधम सिंह नगर, बागेश्वर, चंपावत व पिथौरागढ़ में भारी बारिश के कारण स्कूल व आंगनबाड़ी केंद्रो में अवकाश घोषित कर दिया गया है। राज्य की तमाम नदियों ने रौद्र रूप धारण कर रखा है चमोली में अलकनंदा और पिंडर नदियों का जलस्तर लोगों को डरा रहा है तो बागेश्वर के सरयू व पिथौरागढ़ में काली नदी सहित अन्य नदियों ने तांडव मचा रखा है। बीते कल से रुड़की और लक्सर में भारी बारिश के कारण कांवड़ियों को दिक्कतें हो रही है।

❑अब तक दो दर्जन से अधिक मौतें, जरूरी सामान की आपूर्ति भी मुश्किल

राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में गैप फीलिंग का कार्य करेगा टाटा ट्रस्ट : रतूड़ी

संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने कहा कि राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में गैप फीलिंग का कार्य टाटा ट्रस्ट करेगा।

आज यहां सचिवालय में टाटा ट्रस्ट के साथ बैठक में मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने जानकारी दी है कि उत्तराखण्ड सरकार के साथ मिलकर टाटा ट्रस्ट राज्य में हेल्थ केयर सेक्टर, टेलीमेडिसिन, महिलाओं व बच्चों के कुपोषण से बचाव, युवाओं के कौशल विकास, बालिकाओं की शिक्षा, कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने, आंगनबाड़ी वर्कर्स के क्षमता विकास व प्रशिक्षण, स्मार्ट कलासेज, ग्रामीण आजीविका, पलायन, वाइब्रेंट विलेज, मानसिक स्वास्थ्य व नशा मुक्ति जैसे क्षेत्रों में कार्य करेगा। मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने टाटा ट्रस्ट के समक्ष उत्तराखण्ड सरकार की प्राथमिकताएं एवं थ्रस्ट एरिया को फोकस करते हुए राज्य में मातृ मृत्यु दर व शिशु मृत्यु दर तथा उत्तराखण्ड के युवाओं हेतु राज्य की आवश्यकताओं एवं परिस्थिति के अनुसार मुम्बई सहित देश के विभिन्न स्थानों में टाटा ग्रुप के स्किल डेवलपमेंट इन्सटिट्यूट में कौशल विकास हेतु प्रशिक्षण की व्यवस्था करने का आग्रह किया। सीएस श्रीमती रतूड़ी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य सरकार की विभिन्न क्षेत्रों हेतु योजनाओं की समीक्षा कर गैप एनालाइसिस किया जाए ताकि टाटा ट्रस्ट द्वारा इस गैप फीलिंग के लिए कार्य किया जा सके। उन्होंने टाटा ट्रस्ट द्वारा टेलीमेडिसिन के क्षेत्र में कार्य किए जाने हेतु सहमति पर निर्देश दिए कि इसके लिए सबसे पहले पर्वतीय जनपदों व ब्लॉक को चिहिन्त किया जाए। इसके साथ ही उत्तराखण्ड के प्रत्येक जनपद के हेल्थ एनालिसिस की बात कही गई जिसके तहत प्रत्येक जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं, बुनियादी चिकित्सा ढांचे, स्टाफ, प्रशिक्षण आदि की विश्लेषणात्मक रिपोर्ट तैयार की जाएगी। टाटा ट्रस्ट द्वारा राज्य में हेल्थ रिकॉर्ड की डिजिटाइजेशन में सहयोग पर सहमति दी गई। मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने टाटा ट्रस्ट से राज्य के दूरस्थ स्थानों में रह रही आबादी को आधुनिकतम स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाकर प्राइमरी व सेकेण्डरी हेल्थ केयर सेवाओं की मजबूती के लिए कार्य करने के लिए कहा। उन्होंने महिलाओं व बच्चों को कुपोषण व एनीमिया से बचाने के लिए, प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा को मजबूत कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने, उच्च शिक्षा के बाद महिलाओं की कार्यबल में हिस्सेदारी बढ़ाने तथा ग्रामीण क्षेत्रों विशेषकर सीमान्त गांवों से पलायन रोकने हेतु ग्रामीण आजीविका की कार्ययोजना पर कार्य करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने सभी विभागों को निर्देश दिए हैं कि टाटा ट्रस्ट से कौन-कौन से क्षेत्रों में सहायता ली जा सकती हैं, इसकी रिपोर्ट अगली बैठक तक तैयार रखी जाय।

स्कूटी की टक्कर से मोटरसाईकिल सवार की मौत

संवाददाता

देहरादून। स्कूटी की टक्कर से मोटरसाईकिल सवार की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार स्मिथ नगर निवासी प्रियकांत गौरव ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 26 जून 2024 को लगभग ढाई बजे उसके पिता स्व. विरेन्द्र प्रसाद रांघडवाला होते हुए अपनी मोटरसाइकिल से स्मिथनगर स्थित अपने निवास को लौट रहे थे की तभी एक काले रंग के स्कूटर ने गलत दिशा से आकर उसके पिता को टक्कर मार दी। गाडी का चालक विशाल पंवार पुत्र प्रदीप पंवार निवासी सेवली, देहरादून नशे में धुत होकर बहुत तेजी से गाडी चला रहा था, स्कूटर पर पीछे उसका मित्र प्रतीक बैठा हुआ था।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि उसके पिता को हेलमेट लगाने के बावजूद माथे पर चोट लगी और वो वही बेहोश होकर गिर गए। आसपास लोग एकत्रित हो गए और उन्ही में से किसी ने 108 पर सूचना दे एंबुलेस को बुलाया। उसके पिता, उक्त विशाल और प्रतीक को तत्काल प्रेमनगर स्थित सरकारी अस्पताल ले जाया गया जहां से उन्हे दून अस्पताल रेफर कर दिया। उसके पिता की दून अस्पताल में पहुंचते ही मृत्यु हो गई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

श्रावण मास के प्रथम सोमवार को टपकेश्वर महादेव में किया जलाभिषेक

संवाददाता

देहरादून। श्रावण मास के प्रथम सोमवार को श्री टपकेश्वर महादेव मंदिर में श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया।

आज श्रावण मास के प्रथम सोमवार के दिन श्री टपकेश्वर महादेव मंदिर में श्रद्धालुओं ने महादेव जी को गंगाजल बिल्वपत्र पुष्प और मिष्ठान अर्पित किया। प्रात: बहुत तेज बारिश होने की वजह से श्रद्धालुओं की संख्या में कुछ कमी सी मेहसूस हुई थी लेकिन जैसे जैसे मौसम खुला श्रद्धालुओं की कतार लंबी होने लगी, श्री टपकेश्वर महादेव मंदिर के महंत कृष्णागिरी ने बताया कि तपेश्वरी मंदिर में श्रद्धालु बहुत दूर-दूर से आते हैं

मंदिर के प्रति उनकी अटूट आस्था है, मंदिर समिति की ओर से सेवा दल द्वारा व्यापक इंतजाम किए गए है। जिससे आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कोई भी परेशानी ना हो, प्रात: काल से पुलिस प्रशासन भी अपनी ड्यूटी पर मुस्तैद हो गया था।

अवैध खनन से भरे ट्रैक्टर से की सरकारी कर्मचारी को कुचने की कोशिश

संवाददाता

देहरादून। अवैध खनन से भरे ट्रैक्टर को रोकने पर सरकारी कर्मचारी को कुचलने का प्रयास करने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार चोहड पुर रेंज कालसी के वन आरक्षी सचिन कुमार ने सहसपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसको पता चला कि क्षेत्र में अवैध खनन किया जा रहा है। जिसके चलते वह चैकिंग पर गया तो एक ट्रैक्टर को अवैध खनन से भरा पाकर उसने उसको रोकने का प्रयास किया तो ट्रैक्टर चालक सलीम ने उसको ट्रैक्टर से कुचलने का प्रयास किया किसी तरह से उसने अपनी जान बचायी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।